वैशाख कृष्ण पक्ष- 9, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 275 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
11 अप्रैल 2026 शनिवार

आज का मौसम
34.6 अधिकतम
19.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

ताकि...देख ले पूरी दुनिया

ईरानी डेलिगेशन के लोग प्लेन की खाली सीटों पर उन बच्चों की तस्वीर रखकर पहुंचे जो स्कूल पर हुए हमले में मारे गए थे। उनका उद्देश्य दुनिया और मानव अधिकार संगठनों का ध्यान आकर्षित करना था।

दुनिया की नजरें इस्लामाबाद पर... आज हो रही है अमेरिका - ईरान के बीच शांति वार्ता

मारे गए मासूमों की तस्वीर लेकर पहुंचे ईरानी लीडर, लिखा - ये हमारे साथी

इस्लामाबाद / तेहरान / वाशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिका के साथ शांति वार्ता के लिए के लिए ईरान का प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार देर रात पाकिस्तान पहुंच गया। इसकी अगुआई ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। उन्होंने इस्लामाबाद पहुंचने के बाद एक्स पर एक फोटो शेयर की। इसमें विमान की सीटों पर बच्चों की तस्वीरें रखी हैं और साथ में एक-एक स्कूल बैग और फूल भी रखा है। इसे पूरी दुनिया और मानव अंधकार संगठनों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। ईरान में एक प्राइमरी स्कूल पर हमला हुआ था, जिसमें 168 लोगों की मौत हुई थी। अमेरिका ने कहा था कि वे इस हमले की जांच कर रहे हैं। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को पूरी तरह खत्म करने के मकसद से पाकिस्तान की मेजबानी में हाई-प्रोफाइल वार्ता आजशुरू हो रही है। हालांकि, मेज पर बैठने से ठीक पहले दोनों पक्षों के बीच कड़वाहट और धमकियों का दौर जारी है।

जुबानी जंग और धमकियां

अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस बातचीत की कमान संभाल रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में ईरान को चेतावनी दी है। वेंस ने कहा कि अगर ईरान नेक नीयत से बात करना चाहता है तो हम हाथ मिलाने को तैयार हैं, लेकिन अगर उन्होंने हमारे साथ खेलने (धोखा देने) की कोशिश की, तो हमारी टीम उन्हें कतई रियायत नहीं देगी। दूसरी तरफ, ईरान के तेवर भी बेहद सख्त हैं। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने सोशल मीडिया पर साफ कर दिया कि बातचीत शुरू होने से पहले उनकी दो शर्तें पूरी होनी चाहिए। पहली लेबनान में इजरायली हमलों पर तुरंत रोक लगे और दूसरी अमेरिका की ओर से फ्रीज की गई ईरान की अरबों डॉलर की संपत्ति को तुरंत रिलीज किया जाए। ईरान ने दो टूक कहा है कि जब तक ये शर्तें पूरी नहीं होतीं, वार्ता का कोई मतलब ही नहीं है।

इजराइल-लेबनान वार्ता 14 को, दोनों पक्ष तैयार

इजराइल 14 अप्रैल को वॉशिंगटन में लेबनान के साथ शांति के लिए औपचारिक बातचीत शुरू करने के लिए तैयार हो गया है। अमेरिका इस बातचीत में मध्यस्थ का रोल निभाएगा। यह जानकारी अमेरिका में इजराइली राजदूत ने दी। इजराइल का कहना है कि इन बातचीत में हिजबुल्लाह शामिल नहीं है। हालांकि अमेरिका में इजराइल के राजदूत माइकल लीटर ने कहा कि इजराइल हिजबुल्लाह के साथ किसी भी सीजफायर पर बात करने को तैयार नहीं है।

तबाही के बाद कवायद सुलह की... शर्तों से भरी कामयाबी की राह

इस्लामाबाद में अमेरिका के साथ ईरान की शांतिवार्ता का मंच सज चुका है। अमेरिकी हस्तक्षेप के बाद वाशिंगटन में इजराइल और लेबनान के बीच 14 अप्रैल को संवाद की खबरे हैं। जाहिर है कि जंग से सभी देश थक चुके हैं। किसी तरह सुलह के रास्ते इससे बाहर निकलने की कोशिश के चलते यह सेज सजी है। लेकिन, 'रस्सी जल गई पर बल नहीं गए' वाले हालात फिर भी कायम हैं। सभी को अपने देशवासियों के सामने 'फेससेविंग' जो करनी है। इस मशक्कत का नतीजा चाहे जो हो यह सवाल तो कायम रहेगा कि किसने क्या सोचकर यह लड़ाई लड़ी? किसने क्या खोया और क्या पाया?

वॉर एनालिसिस
● राजेश सिरोठिया

ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद गालिबाफ की अगुआई में विदेश मंत्री अब्बास अघराची, सुप्रीम राष्ट्रीय सुरक्षा काऊसिंल के सचिव अली अकबर, ईरानी सेंट्रल बैंक के गवर्नर अब्दोलनार हेम्मती, आईआरजीसी के पूर्व मुखिया मोहम्मद बाकर जोलगदर सहित कई सांसद इस्लामाबाद पहुंचे हैं। जिस विमान से वे आए उसमें खाली सीटों पर उन मासूमों के फोटो और स्कूल बैग भी रखे गए हैं जो स्कूल पर हमले में मारे गए। जाहिर है यह दुनिया और मानवाधिकार संगठनों का ध्यान खींचने के लिए किया गया। इसका फोटो वायरल भी हुआ है। इस वार्ता के लिए अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस भी दलबल सहित आ रहे हैं, जो शुरू से ही जंग के बजाए संवाद के जरिए मामले को सुलझाने की बात करते रहे हैं।

लेकिन संवाद शुरू होने के पहले दोनों ही देशों ने अपनी शर्तें रख दी हैं। ईरान चाहता है कि इजरायल के लेबनान पर हमले रूकें और अमेरिका ने ईरान की जो अरबों डॉलर की संपत्ति जब्त कर रखी है, उसको मुक्त करे। तमाम पाबंदियों को हटाया जाए। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प भी कहां पीछे रहने वाले। ट्रम्प की शर्त है कि ईरान परमाणु बम का निर्माण रोके। होर्मुज की खाड़ी को पहले की तरह बेरोकटोक (टोल के बगैर)खोले। ट्रम्प ने धमकाया है कि सुलह नहीं हुई तो फिर जंग होगी। यानि संवाद पर सहमति है पर अहंकार और प्रतिष्ठा का मुद्दा कायम है।

जंग के लक्ष्य क्या थे? और क्या हासिल हुआ?

जंग के सार्वजनिक मकसद की बात करें तो यह ईरानी परमाणु क्षमता को तबाह करना और उसकी सस्ती मिसाइल तथा ड्रोन प्रणाली को समाप्त करने का था। ईरानी प्रॉक्सी संगठन हिजबुल्लाह, शिया मिलिशिया तथा हूती और हमास जैसे संगठनों को तबाह करके 48 लाख यहूदी समुदाय के वजूद को बचाने का मुद्दा था। परदे के पीछे छुपे मंसूबों की बात करें तो इजराइल और अमेरिका दोनों के एजेंडे अलग-अलग थे। इजराइल के लिए अपने वजूद बचाने के साथ ग्रेटर इजरायल का इरादा निहित था। दक्षिणी लेबनान पर उसके हमले इसका संकेत देते हैं। अमेरिका की बात करें तो उसके छुपे इरादे और भी खतरनाक थे। इजरायल की रक्षा के नाम पर लड़ी इस जंग के बीच ट्रम्प चाहते थे कि ईरान में तख्तापलट हो। उनकी कठपुतली सरकार बैठे। दुनिया के सबसे बड़े तेल और गैस के भंडारों पर उनका कब्जा हो ताकि वह पूरी दुनिया पर राज करें। ईरान में उसका सैन्य बेस हो जिससे वह रूस, चीन, अफगानिस्तान और भारत की निगरानी कर सके। भू-राजनीति और भौगोलिक स्थिति के लिहाज से ईरान की धरा ट्रम्प के लिए बेहद मुफीद है। लेकिन ट्रम्प की इन हसरतों को रोकना रूस और चीन के लिए अनिवार्य शर्त थी। आगे क्या होगा, इससे पर्दा उठना बाकी है लेकिन यह तय है कि दोनों हमलावर देश अपने गुप्त एजेंडों को परवान चढ़ाने में नाकाम रहे। ईरान के साथ जंग में अमेरिका, इजरायल, लेबनान और खाड़ी के कई मुल्क भी लहुलुहान हुए। दुनिया के कई देशों के साथ अमेरिकी जनता ने भी मंहगाई के रूप में पहले टैरिफ और फिर जंग की परोक्ष मार झेली है। आगे भी इसकी आशंकाओं को खारिज नहीं किया जा सकता।

ईरानी दावों की माने तो वह शुरू से कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम एटम बम के लिए नहीं बल्कि परमाणु उर्जा से जुड़ा है। लेकिन जंग की शुरुआत बीते साल 13 जून से 24 जून तक इसी एटम बम के नाम पर हुई थी। उस पर विराम ट्रम्प के इसी दावे के लगा था कि उसने ईरानी परमाणु ठिकाने तबाह कर दिए हैं। ऐसे में 28 फरवरी को फिर से शुरू हुई जंग का औचित्य समझ से परे हैं।

पहला मैच : पंजाब-हैदराबाद, समय : दोप. 3.30 बजे
दूसरा मैच : चैन्नई-दिल्ली, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

मोस्ट वांटेड गैंगस्टर साहिल चौहान थाईलैंड में गिरफ्तार

चंडीगढ़। मोस्ट वांटेड गैंगस्टर साहिल चौहान को सुरक्षा एजेंसिया थाईलैंड से डिपोर्ट कर भारत ला रही है। यहां से उतरते ही हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स उसे अपनी हिरासत में ले लेगी। साहिल चौहान को कई आपराधिक मामलों में तलाशा जा रहा था। वह राष्ट्रीय जांच एजेंसी की वांछित सूची में भी शामिल है। साहिल कुख्यात गैंगस्टर कौशल चौधरी के गिरोह का अहम सदस्य है। कौशल चौधरी फिलहाल हरियाणा की एक जेल में बंद है।

चैट जीपीटी बनाने वाले ऑल्टमैन के घर पर फेंका बम

सेनफ्रांसिस्को। अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन के घर पर हमले की घटना सामने आई है। पुलिस ने इस मामले में 20 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया है। यह हमला शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे हुआ, जब आरोपी ने ऑल्टमैन के घर पर पेट्रोल बम फेंका और मौके से फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक इस हमले में घर के बाहरी गेट का एक हिस्सा जल गया, हालांकि राहत की बात यह रही कि कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ।

आज का कार्टून

रायसेन कृषि महोत्सव में विशेषज्ञों का जमावड़ा

किसान, वैज्ञानिक और स्टार्टअप तीन दिन करेंगे खेती की बात

रायसेन, दोपहर मेट्रो

यहां स्थित दशहरा मैदान में आज से तीन दिवसीय राष्ट्रीय उन्नत कृषि महोत्सव एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ जिसमें देशभर से किसान, वैज्ञानिक, स्टार्टअप और कृषि विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। पहले दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान इस कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि यंत्रों के साथ-साथ ड्रोन तकनीक और सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों का प्रदर्शन किया जा रहा है। यहां आयोजित विशाल प्रदर्शनी में 300 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं, जो कृषि, बागवानी, सिंचाई, उर्वरक, बीज, कीटनाशक, कृषि यंत्रीकरण, डिजिटल खेती और फसल बीमा से जुड़ी नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन कर रहे हैं।

कृषि महोत्सव में शामिल होने के लिए पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का मुख्यमंत्री मोहन यादव ने स्वागत किया। इस मौके पर मंत्री प्रहलाद पटेल भी मौजूद थे।

इस आयोजन में कृषि विज्ञान केंद्र, राज्य कृषि विश्वविद्यालय, नाबार्ड, नेफेड, पशुपालन और मत्स्य पालन विभाग जैसे कई प्रमुख संस्थान भाग ले रहे हैं। इसके अतिरिक्त, किसान उत्पादक संगठन और लघु उद्योगों से जुड़े उद्यमी भी अपने सफल मॉडल प्रस्तुत कर रहे हैं जिससे किसानों को व्यावहारिक अनुभव मिल सकेगा। इसके अलावा पशुपालन को भी प्राथमिकता दी गई है।

नासा का मिशन आर्टेमिस-2 सफल

चांद के पास जाकर लौटे अंतरिक्ष यात्री

वाशिंगटन। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का मिशन आर्टेमिस-2 सफलतापूर्वक पूरा गया। मिशन में शामिल चारों अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित धरती पर वापस लौट आए। आज सुबह नासा के अंतरिक्ष यान ने सैन डिएगो कोस्ट पर उन्होंने लैंडिंग की। स्पेस एजेंसी ने बताया कि इस मिशन में शामिल लोगों ने 690,000 मील से ज्यादा सफर किया। 10 दिन के इस मिशन की सफलता के बाद नासा आर्मेटिस-3 की तैयारी में जुट गया है। मौजूदा मिशन में अंतरिक्ष यात्री सिर्फ चंद्रमा के पास से गुजरे, लेकिन अगले मिशन में वे चांद पर उतरेंगे।

» 10 दिन के मिशन के बाद सैन डिएगो कोस्ट पर की लैंडिंग
» तय किया छह लाख 90 हजार मील का सफर

लोगों को मरता छोड़कर भागा नाव मालिक गिरफ्तार

वृंदावन हादसे में मौत का आंकड़ा 11 पहुंचा, 4 लापता

मथुरा, एजेंसी

मथुरा के वृंदावन में नाव हादसे में 11 की मौत हो चुकी है। अब तक 22 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। अभी 4 लोग लापता हैं। आज के दिन भी रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। आर्मी समेत 250 लोगों की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी हुई है। 14 किमी के दायरे में लापता लोगों की तलाश की जा रही है। लापता लोग अभी तक क्यों नहीं मिल रहे हैं? इस सवाल पर रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे अफसर ने बताया कि यमुना नदी का बहाव तेज है, इसलिए लोग बहकर काफी दूर जा सकते हैं। इसके अलावा, नदी के अंदर गाद (कीचड़) और रेत में शव दबे हो सकते हैं। 24 घंटे बाद शव फूलकर ऊपर आ सकते हैं। हादसा शुक्रवार दोपहर 3 बजे केसी घाट पर हुआ, जहां 37 श्रद्धालुओं से भरी नाव पलट गई थी। जिस जगह हादसा हुआ, वहां 25 फीट गहरा पानी है। शुरुआती जांच से पता चला है कि नाव की क्षमता 40 श्रद्धालुओं की थी। किसी भी श्रद्धालु को नाविक ने लाइफ जैकेट नहीं दी थी। पांटून पुल की रिपेयरिंग कर रहे लोगों और अन्य नाविकों ने कुछ लोगों को बचाया।

मेट्रो एंकर

लाखों सरकारी पेंशन भोगियों के लिए सुरक्षा कवच बनेगा सर्वोच्च अदालत का फैसला

महंगाई भत्ते और राहत में फर्क नहीं कर सकती सरकारें - सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने महंगाई भत्ता और महंगाई राहत को लेकर एक बड़ा फैसला सुनाया है जिसका लाभ पेंशनभोगियों को मिलेगा। न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने केरल सरकार बनाम एम विजयकुमार मामले में स्पष्ट कर दिया है कि राज्य सरकारें पेंशनभोगियों को दी जाने वाली महंगाई राहत की दर को कार्यरत कर्मचारियों के महंगाई भत्ते से कम नहीं रख सकतीं।

अदालत ने कहा कि कार्यरत कर्मचारियों को 14 फीसदी और पेंशनभोगियों को केवल 11 फीसदी की वृद्धि देना अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि महंगाई भत्ता और

महंगाई राहत दोनों का उद्देश्य एक ही है। बढ़ती कीमतों और जीवन यापन की लागत से निपटने में मदद करना।

सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा, इसमें कोई विवाद नहीं है कि महंगाई सेवारत और सेवानिवृत्त दोनों कर्मचारियों को समान रूप से प्रभावित करती है। इसलिए डीए और डीआर की वृद्धि दर में अंतर करने का कोई तर्कसंगत आधार नहीं है। अदालत ने माना कि हालांकि कर्मचारी और पेंशनभोगी दो अलग-अलग वर्ग हो सकते हैं, लेकिन जब बात महंगाई के प्रभाव की आती है तो यह वर्गीकरण अप्रासंगिक हो जाता है।

इस मामले में केरल राज्य परिवहन निगम ने तर्क दिया था कि उनकी वित्तीय स्थिति खराब है, इसलिए उन्होंने पेंशनभोगियों को कम वृद्धि देने का निर्णय लिया था। कोर्ट ने कहा कि वित्तीय कठिनाइयां लाभों के भुगतान में देरी का कारण तो हो सकती हैं, लेकिन वे दो समान रूप से प्रभावित समूहों के बीच कम लाभ देने का औचित्य नहीं बन सकतीं।

केरल हाईकोर्ट के फैसले पर मुहर

सुप्रीम कोर्ट ने केरल उच्च न्यायालय की खंडपीठ के उस निर्णय को बरकरार रखा, जिसने पेंशनभोगियों के पक्ष में फैसला सुनाया था। राज्य सरकार की अपील को खारिज करते हुए कोर्ट ने स्पष्ट किया कि लोक कल्याणकारी राज्य में सेवानिवृत्त लोगों के हितों की अनदेखी नहीं की जा सकती। यह निर्णय देश भर केलाखों सरकारी पेंशनभोगियों के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह है। माना जा रहा है कि अब कोई भी राज्य सरकार वेतन संशोधन या महंगाई भत्ते की घोषणा करते समय पेंशनभोगियों के साथ भेदभाव करने से डरेगी।

पहले भी एजेंसी पर कार्रवाई, फिर भी सवाल कायम

कहीं बुकिंग के लिए भटक रहे लोग तो कहीं खुलेआम हो रही सिलेंडरों की कालाबाजारी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर में बुकिंग करने के बाद भी उपभोक्ताओं को एलपीजी सिलिंडर नहीं मिल पा रहे हैं, इसी बीच कालाबाजारी के मामले उजागर हो रहे हैं। ऐसे में संत हिरदाराम नगर इलाके के हलालपुर में भारत कंपनी की ममता गैस एजेंसी के सिलिंडरों से भरे ट्रक व लोडिंग ऑटो खड़े हुए थे। इसका पता चलते ही तहसीलदार हर्ष विक्रम सिंह, थाना प्रभारी कोहेफिजा केजी शुक्ला टीम सहित पहुंचे और जांच शुरू कर दी थी।

जानकारी के अनुसार संत हिरदाराम नगर के हलालपुर में स्वागत गार्डन के पीछे श्री राजराजेश्वर धाम ट्रस्ट के खाली प्लॉट पर भारत गैस कंपनी के दो ट्रक खड़े हुए थे। जिनमें व्यावसायिक व घरेलू सिलिंडर भरे हुए थे, यहां से छोटे लोडिंग ऑटो

के जरिए ममता गैस एजेंसी पर आपूर्ति की जा रही थी। इसकी जानकारी जब तहसीलदार को लगी तो वह थाना प्रभारी और टीम सहित मौके पर पहुंच गए और जांच शुरू कर दी। इस दौरान पता चला कि भारत ममता एजेंसी का गोदाम रातीबड़ में स्थित है, इसलिए वह हलालपुर में खाली प्लॉट में वाहन खड़े कर यहां से सिलिंडर आपूर्ति कर रहा था। बिना अनुमति हलालपुर से सिलिंडर की आपूर्ति करने पर गैस एजेंसी संचालक की सूचना खाद्य विभाग को दी गई। इसके बाद खाद्य विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और कर्मचारियों से जानकारी हासिल करने के बाद वापस लौट गए। अधिकारियों का कहना है कि पहले उक्त एजेंसी पर कार्रवाई की जा चुकी है, हालांकि अभी कोई गड़बड़ी नहीं मिली है। इस वजह से किसी तरह का कोई प्रकरण दर्ज नहीं किया गया है।

ट्रक में मिले बिना सील के सिलेंडर

जिले में एलपीजी गैस सिलिंडरों का संकट चल रहा है, जहां उपभोक्ताओं को बुकिंग के बाद भी 10 से 15 दिन में सिलिंडर नहीं मिल पा रहे हैं। जिससे परेशान होकर उन्हें एजेंसियों पर भीषण गर्मी में लाइन में लगना पड़ रहा है। इसी बीच डिपो से एजेंसी तक सिलिंडरों की खैप पहुंचाने वाले कर्मचारी कालाबाजारी कर रहे हैं। इसका खुलासा तब हुआ जब खाद्य व नापतौल विभाग की टीम ने ट्रक में भरे 342 सिलिंडरों की जांच कराई तो पता चला कि 27 सिलिंडरों में एक से तीन किलोग्राम गैस कम थी और पांच सिलिंडर बिना सील के थे। हैरत की बात यह है कि चालक को सिर्फ 22 किलोमीटर दूर भौंरी डिपो से इमलिया सैनी इंडेन गैस गोदाम तक ट्रक लेकर पहुंचने में दो दिन का समय लग गया। इससे खाद्य विभाग को संदेह है कि रास्ते में सिलिंडरों के साथ छेड़छाड़ की गई है, इस वजह से टीम से जांच करवाई जा रही है। जानकारी के अनुसार खाद्य विभाग और नापतौल विभाग की टीम को सूचना मिली थी कि सूखीसेवनिया इमलिया स्थित सैनी इंडेन गैस गोदाम के बाहर सिलिंडरों से भरा ट्रक खड़ा हुआ है। जिसमें रखे सिलिंडरों में गैस कम और सील नहीं है। खाद्य व नापतौल विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से 342 सिलिंडरों की पांच घंटे तक जांच की। जिसमें 27 सिलिंडर में एक से तीन किलोग्राम तक गैस कम और पांच सिलिंडरों में सील नहीं होना पाया गया।

भविष्य की नौकरियों के लिए तैयारी

68 महाविद्यालयों में शुरू होंगे एआई व फिनटेक सर्टिफिकेट कोर्स

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित सर्टिफिकेट कोर्स शुरू होगा। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा महाविद्यालयों में रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम प्रारंभ करने को लेकर महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। प्रदेश के 68 शासकीय महाविद्यालयों में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा एआई एवं फिनटेक विथ एआई के आनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किए जा रहे हैं। इनमें 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस और 13 स्वायत्त महाविद्यालय शामिल हैं। यह पाठ्यक्रम आईआईटी दिल्ली के सहयोग से संचालित किया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा पाठ्यक्रम प्रारंभ करने को लेकर तैयारी पूर्ण कर ली गई है।

दो हजार विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य: विभाग द्वारा इस साल दो हजार विद्यार्थियों को एआई एवं फिनटेक विथ आई के आनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स के माध्यम से प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रथम चरण में यह लक्ष्य एक हजार विद्यार्थियों का था, जिसे इस वर्ष बढ़ाकर दोगुना कर दिया गया है। प्रदेश के महाविद्यालयों में परंपरागत विषयों से पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे वे आसानी से रोजगार से जुड़ सकेंगे। प्रदेश के 68 महाविद्यालयों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं फिनटेक विथ एआई के आनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किए जा रहे हैं- अनुपम राजन, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग।

पानी की बर्बादी...जिम्मेदार बेपरवाह

गर्मी के दिन शुरू हो चुके हैं ऐसे में पानी को बचाने के लिए नगर निगम का अमला लापरवाही बरत रहा है। भोपाल के करोंद सब्जी मंडी रोड पर पानी की लाइन फूटने से पानी बर्बादी होती हुई नजर आई।

बीडीए पार्क केंद्र में आयोजित हुआ स्थापना दिवस कार्यक्रम

योग से मिलता है शारीरिक-मानसिक लाभ

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

योग से व्यक्ति को शारीरिक मानसिक और आध्यात्मिक लाभ मिलता है। योग विद्या की शुरुआत सृष्टि के आरंभ से ही हो गई थी। हिरण्यगर्भ महाराज ने महर्षि अग्नि, वायु, आदित्य और अंगिरा को योग विद्या का ज्ञान दिया। इन ऋषियों ने महर्षि पतंजलि को यह विद्या प्रदान की और योग दर्शन प्रकाश में आया।

भारतीय योग संस्थान के पश्चिम जिला भोपाल के तत्वावधान में सलैया स्थित बीडीए पार्क केंद्र में संपन्न 60वें स्थापना दिवस कार्यक्रम चैतन्य पार्क बी डी ए कॉलोनी सलैया में अपने उद्बोधन में वरिष्ठ साहित्यकार श्रीराम माहेश्वरी ने यह बात कही। वे मुख्य अतिथि के रुप में बोल रहे थे। इस

अवसर पर उन्होंने अष्टांग योग के आठ अंगों तथा योग सिद्धि प्रकाश डाला। वरिष्ठ साधक आरबी खरे ने योग से होने वाले लाभ बताए। उन्होंने चंद्रभेदी और उज्जायी प्राणायाम पर मार्गदर्शन किया। आरंभ में अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया तथा दीप प्रज्ज्वलित किया। महिला साधकों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत व्यक्त किया। कार्यक्रम में 30 साधकों पुरुष मातृ शक्तियों सहित युवाओं ने योग करते हुए पूरे कार्यक्रम को एक योग प्रशिक्षण के रूप में सहभागिता निभाई।

की। श्रीमती नैना शर्मा, सावित्री शर्मा एवं श्री मनोहर सोनिया द्वारा योगाभ्या करवाया गया। केंद्र प्रमुख भागवत गुप्ता ने संस्थान और योग मंजरी का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि दस अप्रैल 1967 को योग संस्थान की स्थापना हुई थी। अब तक चार हजार पांच सौ से अधिक इसकी शाखाएं हो चुकी हैं। एस पी गुप्ता ने श्रीराम माहेश्वरी को योग मंजरी पत्रिका भेंट की।

अब रात्रि में 8 बजे तक खुला रहेगा सेवा सदन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय की ओपीडी अब रात्रि 8 बजे तक खुली रहेगी। नेत्र रोगियों की सुविधा को देखते हुए यह निर्णय प्रबंधन ने लिया है। इसके साथ सामान्य कार्य दिवसों के अलावा अब रविवार को भी ओपीडी सुबह 10 से 4:30 बजे तक खुली रहेगी। हालांकि रविवार के दिन पूर्वानुसार ऑपरेशन नहीं होंगे। बता दें कि सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ने अपने नये भवन में अपनी पूर्ण क्षमता के साथ काम करना शुरू कर दिया है। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट के अध्यक्ष संत सिद्ध भाऊ को लोगों ने समयाभाव और अस्पताल जल्दी बंद होने के कारण अपनी आंख का इलाज समय पर न करवा पाने की कठिनाई बताई थी।

मेट्रो के काम के चलते जवाहर चौक-डिपो मार्ग पर रहेगा वन-वे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल में मेट्रो निर्माण कार्य के चलते शहर के व्यस्ततम मार्गों में शामिल जवाहर चौक से भारत माता चौराहा (डिपो) के बीच यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। यातायात पुलिस ने इस हिस्से में एक तरफ का मार्ग (वन-वे) परिवर्तित करते हुए वाहनों के लिए डायवर्सन प्लान लागू किया है, ताकि निर्माण कार्य के दौरान ट्रैफिक सुचारू रखा जा सके।

हनुमान मंदिर से जवाहर चौक तक वन-वे बदला: यातायात पुलिस के अनुसार, डिपो चौराहा से जवाहर चौक के बीच स्थित हनुमान मंदिर से जवाहर चौक की ओर जाने वाला एक तरफ का मार्ग अब परिवर्तित रहेगा। वहीं, जवाहर चौक से डिपो चौराहा की ओर आने वाला मार्ग पहले की तरह चालू रहेगा, जिससे इस दिशा में यातायात सामान्य रूप से चलता रहेगा।

डायवर्सन से गुजरेंगे वाहन: डिपो चौराहा से हनुमान मंदिर होते हुए जवाहर चौक जाने वाले वाहनों को अब हनुमान मंदिर से बाएं मुड़कर पानी की टंकी, नागेश्वर धाम मंदिर और अटल पथ स्मार्ट रोड होते हुए जवाहर चौक पहुंचना होगा। जबकि जवाहर चौक से डिपो चौराहा जाने वाले वाहनों के लिए कोई बदलाव नहीं किया गया है।

यातायात पुलिस की अपील: यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और परिवर्तित मार्गों का ही उपयोग करें। अनावश्यक रूप से इस मार्ग पर आवागमन से बचें, क्योंकि डायवर्सन वाले रास्तों पर ट्रैफिक दबाव बढ़ सकता है।

कोहफिजा में दो मासूम स्कूली बच्चों का अपहरण, पुलिस ने दर्ज नहीं की एफआईआर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शनिवार सुबह एक गंभीर आपराधिक घटना सामने आई, जहां कोहेफिजा स्थित अलासर एकेडमी स्कूल के बाहर से दो मासूम बच्चों का अपहरण हो गया। हैरत की बात यह है कि पुलिस ने उनकी खोजबीन तो दूर, एफआईआर तक दर्ज करने की भी जहमत नहीं उठाई।

मिली जानकारी के अनुसार, बच्चों की मां यश्रा खान उन्हें सुबह करीब 7.30 से 7.45 बजे के बीच घर से स्कूल छोड़ने के लिए लेकर गई थीं। जैसे ही वह बच्चों को स्कूल के बाहर छोड़ रही थीं, उसी दौरान दो बाइक पर सवार चार अज्ञात व्यक्ति दोनों बच्चों को जबरिया अपने साथ ले गए। परिजनों के अनुसार, आरोपियों के पास धारदार हथियार थे, इसी के चलते स्कूल में सनसनी फैल गई और दहशत का माहौल है। यश्रा खान के अनुसार, अपहृत बच्चों के नाम जयान (10 वर्ष, कक्षा 5वीं) और जिक्रा (लगभग 7 वर्ष, कक्षा 2वीं) हैं। वे कोहेफिजा स्थित अलासर एकेडमी स्कूल में अध्ययनरत हैं। घटना के बाद जब परिजन कोहेफिजा थाना पहुंचे, तो जांच अधिकारी शोभाराम ने एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया। पीड़िता के भाई फैजान खान ने बताया कि पुलिस ने कहा कि पहले चारों आरोपियों की पहचान बताई जाए, जबकि वे एक मुख्य संदिग्ध का नाम पहले ही बता चुके थे। स्थानीय स्तर पर यह भी कहा जा रहा है कि यदि समय रहते एफआईआर दर्ज कर तत्काल कार्रवाई की जाती, तो स्थिति को शीघ्र नियंत्रित किया जा सकता था और त्वरित कार्रवाई संभव हो पाती। हालांकि, कथित लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण शुरुआती स्तर पर अपेक्षित कदम नहीं उठाए जा सके। परिजनों ने प्रशासन से बच्चों की शीघ्र बरामदगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

एमसीयू में दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

भोपाल। एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों एवं सोशल मीडिया हैंडलर्स के लिए दो दिवसीय दक्षता उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र में जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक जीएस वाधवा ने कहा कि जनसंपर्क के क्षेत्र में सफलता के लिए निरंतर सीखना अत्यंत आवश्यक है। फील्ड में मिलने वाले अनुभव अधिकारियों को नई परिस्थितियों के अनुरूप कार्य करने में सक्षम बनाते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यों का नियमित मूल्यांकन बेहतर योजनाएं बनाने में सहायक होता है।

संतनगर के स्कूलों में मना सिंधी भाषा दिवस

घरों में सिंधी में बातचीत करने का संकल्प लिया

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर के स्कूलों में 10 अप्रैल यानी शुक्रवार को सिंधी भाषा दिवस मनाया गया। घरों में अपनी बोली सिंधी में बोलने का संकल्प लिया गया। कहा गया कि अगर हम अपनी भाषा का सम्मान करेंगे और घरों में इसका उपयोग करेंगे, तो यह कभी लुप्त नहीं होगी।

साधु वासवानी स्कूल में 'सिंधी भाषा दिवस' मनाया गया। सुधार सभा के महासचिव कन्हैयालाल रामनानी ने कहा कि हमारी भाषा, बोली और साहित्य ही हमारे संस्कार और कौम की पहचान हैं। हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है, लेकिन सिंधी हमारी मातृभाषा है। अगर हम अपनी भाषा का सम्मान करेंगे और घरों में इसका उपयोग करेंगे, तो यह कभी लुप्त नहीं होगी। विद्यालय की प्राचार्या सुतपा जायसवाल ने कहा कि मातृभाषा समाज को ऊपर उठाती है। इसे केवल किताबों तक सीमित न रखकर प्रतिदिन के व्यवहार में लाना जरूरी है। विद्यालय की शिक्षिकाओं ने 'सिंधी अबाणी बोली, मिठड़ी अबाणी बोली' गीत की प्रस्तुति दी। छात्रा निहारिका ने विचार, प्रियंका थदानी ने 'सिंधी आहे असांजी पहचान, मिठड़ी बोली प्यारी जान' कविता पाठ किया। कार्यक्रम में उप-प्राचार्या स्वाति कलवानी, दीपा आहूजा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

संस्कार पब्लिक स्कूल में 'सिंधी भाषा दिवस' पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि नन्द कुमार सनमुखानी ने कहा कि सिंध प्रांत छोड़ने के बाद समाज ने वर्षों संघर्ष किया। समाज ने व्यापार से लेकर प्रशासन तक हर क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है और अब नई पीढ़ी को अपनी मातृभाषा और जड़ों को संजोकर रखना चाहिए। संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि सिंधी भाषा का विस्तार तभी संभव है, जब इसकी संस्कृति जीवित रहेगी। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी और कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव ने भी अपने विचार रखे।

मेट्रो एंकर | एमसीयू में पंडित माखनलाल चतुर्वेदी स्मृति व्याख्यान का आयोजन

शब्द अगर सत्य से उत्पन्न हो तो तोप से ज्यादा असरकारी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

आजादी से पहले और बाद की पत्रकारिता के मूल्यों में व्यापक बदलाव आए हैं। आज पत्रकारिता में लोकहित की तुलना में महत्वकांक्षाएं हावी हैं। पूर्व की पत्रकारिता में नैतिक स्तर उच्च कोटि का था। वह दौर और उस दौर के लोग अद्भुत थे।

उक्त बात संपादक व एमसीयू के पूर्व कुलगुरु अच्युतानंद मिश्र ने कही। वे माखनलाल चतुर्वेदी स्मृति व्याख्यान में बतौर अतिथि वक्ता बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पंडित माखनलाल चतुर्वेदी ने उसी दौरान देश की राजनीति, साहित्य, संस्कृति और सभ्यता को अपनी तेजस्वी पत्रकारिता से ऊपर उठाने का काम किया। वे केवल एक पत्रकार ही नहीं बल्कि एक योद्धा और विलक्षण संत थे। एक ऐसे योद्धा संपादक जिन्हें सब प्यार करते थे और जिनकी बातें भी सब मानते थे। मिश्र ने बताया कि उस दौर का कोई ऐसा बड़ा नेता साहित्यकार और पत्रकार नहीं होगा जो उनसे मिलने उनके छोटे से गांव बावाई और

कर्मस्थली खंडवा न गया हो। उनके अनुसार माखनलाल जी ने स्वयं तो आदर्श पत्रकारिता की ही बल्कि उस समय के कई पत्रकार-संपादकों ने भी उनकी प्रेरणा और सानिध्य से देश की राजनीति, भाषा और साहित्य के उत्थान का काम किया। उन्होंने श्री चतुर्वेदी के समकालीन माधवराव सप्रे, महावीर प्रसाद द्विवेदी, कल्याण पत्रिका के संपादक हनुमान प्रसाद पोद्दार का भी सम्मान से जिक्र किया और सभागार में उपस्थित नवागत पत्रकारों को उनके बारे में पढ़ने व प्रेरणा लेने के लिए कहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रख्यात लेखक एवं विचारक मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि माखनलालजी ने पत्रकारिता की विद्यापीठ की परिकल्पना की थीं। जिस दौर में पत्रकारिता को शस्त्र की तरह इस्तेमाल किया जाने लगा था उस समय उन्होंने उसे शास्त्र माना और इस बात पर जोर दिया कि पत्रकारिता पढ़ने और पढ़ाने की सख्त जरुरत है। आरंभ में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने स्वागत उद्बोधन दिया कहा कि आज जिस परिसर में हम बैठे हैं उसका सपना जिन आंखों ने देखा था वे आज हमारे बीच हैं। श्री मिश्र की इस विश्वविद्यालय के विकास में अहम् भूमिका है। हम विश्वास दिलाते हैं कि इस विरासत को हम सहेज कर रखेंगे। साढ़े तीन दशक की यात्रा में जिन ऊंचाई को हम छू रहे हैं वह परम्परा मिश्र जी ने आरंभ की है। पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों द्वारा तैयार विकल्प समाचार पत्र का विमोचन भी हुआ। सीएसआर के तहत एमपी आनलाइन ने विश्वविद्यालय को एक ई-रिक्शा भेंट किया। इसका शुभारंभ भी अतिथियों ने किया। आभार कुलसचिव पी. शशिकला ने माना और सुंदर संचालन संस्कृतिकर्मी विनय उपाध्याय ने किया। विश्वविद्यालय के समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर, विद्यार्थी, कर्मचारी और अधिकारी उपस्थित रहें। शहर के गणमान्य अतिथि भी इस आयोजन में शामिल हुए।

माय भारत बजट क्वेस्ट का ग्रैंड फिनाले कल से

भोपाल। 'माय भारत बजट क्वेस्ट 2026' की राज्य स्तरीय दो दिवसीय ग्रैंड फिनाले कल से शुरू हो रहा है। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में चयनित युवा केंद्रीय बजट 2026 से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा करेंगे। 13 अप्रैल तक यह आयोजन माय भारत मप्र द्वारा रायसेन रोड स्थित आर्यभट्ट ऑडिटोरियम, एलएनसी महाविद्यालय में किया गया है। इस ग्रैंड फिनाले में चयनित प्रतिभागी 'विकसित कृषि', 'मानव पूंजी', 'विकसित भारत' तथा 'महिला नेतृत्व एवं समावेशी विकास' जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा करेंगे।

राज्य सरकार ने तय की नई व्यवस्था, जीडीए ने जारी की गाइडलाइन

मुख्य सचिव को कोर्ट के मामलों से दूर रखने के निर्देश विभागों में नियुक्त किए जाएंगे स्थायी अधिवक्ता

इंदौर/भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में विभागीय अफसरों की लापरवाही से होने वाली सरकार की फजीहत और मुख्य सचिव को कोर्ट की अवमानना से बचाने के लिए राज्य सरकार ने नई व्यवस्था तय की है। इसमें सरकार की सम्पत्ति की सुरक्षा के साथ मुख्य सचिव को कोर्ट में घसीटने से बचाने पर फोकस किया है। सभी विभाग प्रमुखों और विभागाध्यक्षों से सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा है कि कोर्ट के मामले में पक्षकार के रूप में मुख्य सचिव का नाम हटाए जाने की कार्यवाही कराना है क्योंकि मुख्य सचिव किसी विभाग के भारसाधक सचिव नहीं होते हैं।

सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके लिए जारी ताजा निर्देशों में कहा है कि विभाग के सचिव और कलेक्टर की यह जिम्मेदारी होगी कि वह यह देखें कि जिन मामलों में मुख्य सचिव के माध्यम से पक्षकार बनाकर राज्य शासन के विरुद्ध कोर्ट में केस या याचिका लगाई जाती है उसमें समय पर मुख्य सचिव का नाम हटाने का काम कराया जाए। जीएडी ने इसको लेकर जारी निर्देश में कहा है कि सभी विभागों द्वारा मध्यप्रदेश राज्य मुकदमा प्रबंधन नीति 2018 के अनुरूप कर्मचारियों की सेवा संबंधी शिकायतों के निराकरण के लिए संस्थागत व्यवस्था बनाई जाएगी और सेवा विवादों से संबंधित अभ्यावेदनों का समय पर निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा।

कोर्ट में पक्ष रखने विधि अधिकारियों, स्थायी अधिवक्ताओं की नियुक्ति करें

निर्देशों में यह भी कहा है कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में सरकार का पक्ष तेजी से रखने के लिए राज्य के विधि अधिकारियों को तथा सुप्रीम कोर्ट में सरकार का पक्ष रखने स्थायी अधिवक्ताओं की नियुक्ति की जानी चाहिए। अगर किसी मामले में कानूनी जटिलता हो और किसी और को अधिवक्ता नियुक्त किया जाना हो तो ऐसा प्रस्ताव विभागीय मंत्री के प्रशासकीय अनुमोदन के साथ विधि विभाग को भेजा जाएगा। इसमें प्रशासनिक विभाग द्वारा उनके नाम और सेवा शर्तों का साफ तौर पर उल्लेख किया जाएगा। इसके लिए विधि विभाग द्वारा अन्तरविभागीय समिति गठित की गई है जिसमें भारसाधक सचिव वित्त विभाग के होंगे और कमेटी के अध्यक्ष होंगे। सदस्य के रूप में भारसाधक सचिव विधि विभाग तथा संबंधित प्रशासकीय विभाग के भारसाधक सचिव शामिल किए जाएंगे।

सरकार को नुकसान तो वसूली अफसर से हो

जारी निर्देशों में कहा है कि अगर किसी प्रकरण में विलंब, गलती, चूक और विषय वस्तु से भिन्नता के कारण सरकार के खिलाफ आदेश जारी होता है तो विभाग की यह जिम्मेदारी होगी कि ऐसे मामले में संबंधित अफसर की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यवाही करें और अगर सरकार को क्षति हुई है तो संबंधित अधिकारी से वसूली की जाए। इसके लिए प्रभारी अधिकारी के दायित्व तय किए गए हैं। जीएडी ने सरकारी जमीन से संबंधित मामलों को लेकर भी गाइडलाइन जारी की है। इसमें कहा है कि कलेक्टर और जिला प्राधिकारी अपने क्षेत्र में कोर्ट द्वारा सरकार के खिलाफ दिए गए आदेश के मामले में शासकीय अधिवक्ता से सलाह लेकर अपील पेश करेंगे। जहां कलेक्टर के सक्षम होने की स्थिति न हो, वहां विभाग प्रमुख को निर्णय के लिए प्रस्ताव भेजे जाएंगे।

प्रशासनिक प्रकरणों के निराकरण के लिए नई कार्यप्रणाली लागू

सामान्य प्रशासन विभाग के अनुसार प्रशासनिक प्रकरणों के निस्तारण में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया है। विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही समयसीमा में पूरी करें। साथ ही, हर स्तर पर जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी निर्धारित की गई है। निर्देशों में कहा गया है कि प्रकरणों के परीक्षण के दौरान सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच अनिवार्य होगी। यदि किसी प्रकरण में जानकारी अधूरी पाई जाती है, तो संबंधित पक्ष से तत्काल जानकारी प्राप्त कर प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा, प्रकरणों के निराकरण में अनावश्यक विलंब होने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि अपील, पुनरीक्षण और समीक्षा से जुड़े मामलों के लिए अलग-अलग प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इन मामलों में निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन करना होगा। विशेष रूप से विलंब से प्राप्त प्रकरणों में 'कंडोनेशन ऑफ डिले' (विलंब क्षमा) के प्रावधानों का उचित उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि सभी विभाग नियमित रूप से अपने लंबित प्रकरणों की समीक्षा करेंगे और उनकी प्रगति की जानकारी उच्च अधिकारियों को उपलब्ध कराएंगे। साथ ही, रिकॉर्ड संधारण और दस्तावेजों के सुरक्षित रख-रखाव पर भी बल दिया गया है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम

महिला आरक्षण लागू होने के बाद प्रदेश में बढ़ेंगी लोस और विधानसभा की सीटें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होने के बाद मध्य प्रदेश में लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ने की संभावना है।

भारत सरकार इस संबंध में संशोधन विधेयक 16 अप्रैल को संसद में प्रस्तुत करेगी। इसके साथ ही परिसीमन विधेयक भी लाया जाएगा, जिसमें प्रस्तावित प्रावधानों के अनुसार प्रदेश में सीटों की संख्या में वृद्धि हो सकती है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंत्रियों को इसके संकेत देते हुए वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन की तैयारी करने को कहा है। विधानसभा के पूर्व प्रमुख सचिव एपी सिंह के अनुसार प्रस्तावित बदलावों के तहत मध्य प्रदेश विधानसभा की सीटें 230 से बढ़कर 345 और लोकसभा की सीटें 29 से बढ़कर 43 हो सकती हैं।

लोकसभा-विधानसभा में आरक्षण का प्रभाव

प्रस्ताव के अनुसार लोकसभा में 14 अतिरिक्त सीटें बढ़ सकती हैं, जिनमें 33 प्रतिशत यानी 14 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। वर्तमान में प्रदेश से छह महिला सांसद हैं। विधानसभा में भी सदस्य संख्या बढ़कर लगभग 345 होने की संभावना है, जिसमें 33 प्रतिशत यानी 114 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। फिलहाल 27 महिला विधायक हैं।

बदलेगा सत्ता का गणित

विधानसभा में सीटें बढ़ने के साथ बहुमत का आंकड़ा भी बदल जाएगा। अभी 230 सीटों में बहुमत के लिए 116 सीटों की जरूरत होती है, जबकि 345 सीटों की स्थिति में यह आंकड़ा बढ़कर 174 हो जाएगा। एससी-एसटी वर्ग के लिए आरक्षित सीटों की संख्या भी नए परिसीमन के अनुसार बढ़ेगी और महिला आरक्षण इन्हीं सीटों के अनुपात में तय किया जाएगा। विधेयक पारित होने के बाद सरकार और भाजपा पूरे प्रदेश में महिलाओं को लेकर बड़े कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी में हैं। इसके लिए बैठकें भी हो चुकी हैं और सभी जिला मुख्यालयों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मंत्री अपने-अपने प्रभार वाले जिलों में मौजूद रहेंगे।

बालाघाट में होगा जनजातीय महोत्सव, हाईलेवल मीटिंग में सीएम बोले-

नक्सल उन्मूलन के बाद बालाघाट जिले में तेज करें विकास की गति

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के बालाघाट जिले में नक्सल उन्मूलन के बाद विकास की गति को और तेज किया जाएं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिए गए निर्देश एवं प्रचार की गई कार्य योजना के फलस्वरूप प्रदेश को नक्सल तत्वों पर पूर्ण नियंत्रण में सफलता मिली है। नक्सलवाद की समस्या से बरसों प्रभावित रहे बालाघाट जिले सहित अन्य प्रभावित स्थानों पर अब तीव्र गति से कार्य करने की आवश्यकता है। मध्यप्रदेश सरकार विकास कार्यों की गति तेज करने को प्राथमिकता दे रही है। जनजातीय समाज की प्रतिभाओं को भी विभिन्न महोत्सवों से मंच देने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में समत्व भवन में आगामी माह बालाघाट में होने वाले जनजातीय महोत्सव के संबंध में विचार-विमर्श हुआ। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन सहित संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव आदि बैठक में उपस्थित थे।

स्थानीय जरूरतों के हिसाब से लगें शिविर

सीएम ने कहा कि जनजातीय महोत्सव में सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों के साथ ही विभिन्न विभाग स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप शिविर आयोजित करें। धरती आबा अभियान में हितग्राहियों को लाभान्वित करने और स्वास्थ्य विभाग द्वारा क्षेत्र में मेगा स्वास्थ्य शिविर और सिकल सेल स्क्रीनिंग का कार्य किया जाए। शिक्षा सुविधाओं के विस्तार, महिलाओं और बच्चों के कल्याण, रोजगार प्रदान करने, दिव्यांग नागरिकों को हित लाभ प्रदान करने और पूर्व वर्षों में नक्सल गतिविधियों के कारण प्रभावित हुए परिवारों की आवश्यक सहायता के लिए कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक बगिया मां के नाम卐 कार्यक्रम अंतर्गत गतिविधियों के आयोजन, आराधना स्थलों पर सुविधाओं के विकास के कार्य भी किए जाएं।

महोत्सव में आयोजित होंगी स्पर्धाएं

जनजातीय संस्कृति विशेषकर बैगा समुदाय से जुड़े लोक नृत्यों, खेतों में बोवनी के कार्य से पूर्व आयोजित किए जाने वाले बिदरी, बीज पंडूम और बड़ा देव पूजा के कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। महोत्सव में जनजातीय संस्कृति को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बोरा दौड़, मटका रेस, तीरंदाजी स्पर्धाएं भी होंगी। बैगा महिलाओं की विशिष्ट गोदाना कला के प्रदर्शन और कार्यशाला के साथ कोदो कुटकी और महुआ आदि से बने पारम्परिक व्यंजनों के फूड स्टॉल भी लगाए जाएंगे। पारम्परिक जड़ी-बूटियों की जानकारों और औषधीय ज्ञान रखने वालों का सम्मेलन भी प्रस्तावित है। स्व-सहायता समूहों के सदस्यों द्वारा निर्मित उत्पादों के स्टॉल लगाए जाएंगे। बालाघाट के साथ ही निकटवर्ती जिलों और छत्तीसगढ़ से भी जनजातीय समाज इस महोत्सव में भागीदारी करेगा।

वंदेमातरम विवाद : इंदौर पार्षद रूबीना मामले में कांग्रेस की चुप्पी-

कार्रवाई के सवाल पर जीतू बोले-बताने के लिए बाध्य नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

इंदौर नगर निगम में बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख अलीम और रुबीना इकबाल ने वंदे मातरम गाने से इनकार कर दिया। इसके बाद कांग्रेस ने उनसे किनारा कर लिया।मीडिया ने सवाल पूछे तो रूबीना ने कहा- कांग्रेस पार्टी भाड़ में जाए। ऐसे जब भी मौके आते हैं तो कांग्रेस पल्ला झाड़ लेती है। कांग्रेस पार्टी सिर्फ मुसलमानों का वोट लेने के लिए है। कांग्रेस से कोई अनुबंध थोड़ी न करा रखा है।

इंदौर नगर निगम में हुए घटनाक्रम के बाद कांग्रेस पार्टी पार्षदों पर एक्शन लेने से बच रही है। इंदौर शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने एमपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को रुबीना को कांग्रेस से निष्कासित करने के लिए पत्र लिखा। दो दिन बीतने के बाद भी कांग्रेस पार्षद पर एक्शन नहीं ले पाई है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी से जब इस मामले में भोपाल में मीडिया ने सवाल पूछे तो पहले वे किनारा करते नजर आए। जब मीडिया ने बार-बार सवाल दोहराया तो उन्होंने कहा- भारत देश के संविधान में और कांग्रेस के संविधान में देश की आजादी की यात्रा में राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के महत्व को किसी को बताने या छिपाने की आवश्यकता नहीं हैं। कांग्रेस पार्टी के हर अधिवेशन में राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान का अपना महत्व है, हमें किसी से सर्टिफिकेट नहीं चाहिए।

अल्पसंख्यक नेता हमेशा राष्ट्रगीत को सम्मान देते हैं

जीतू ने कहा कि हमारे जितने भी अल्पसंख्यक के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, मुख्यमंत्री, राज्यपाल और कई विधायक हुए। ये जब सरकारी कार्यक्रमों में जाते हैं या देश के स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में जाते हैं तो वहां राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान होता है और सब उसका सम्मान करते हैं मैं मानता हूं कि राष्ट्रगान के सम्मान में किसी को न आपत्ति है न थी और न आपत्ति रहेगी। कांग्रेस पार्टी का अलग से वक्तव्य की आवश्यकता ही नहीं हैं। देश के संविधान ने हर नागरिक को अपने जीवन जीने की आजादी दी है, अपने धर्म के आधार पर प्रार्थना की आजादी दी है ये सब हर परिस्थिति में कानून के पालन के साथ सबको करना है।जीतू पटवारी ने कहा- जहां तक कांग्रेस के लिए किसी पार्षद ने कोई बात कही है पार्टी के संज्ञान में है पार्टी उसपर जब निर्णय लेगी तब आपको बता देगी।मीडिया ने पूछा कि कब तक निर्णय लेगी तो पटवारी ने कहा ये मैं आपको बताने के लिए बाध्य नहीं हूं कि कब निर्णय लेगी। जब निर्णय लेगी तब बता देंगे।

संगठन प्रभारी बोले- ऐसी भाषा अक्षम्य है

इस मामले में कांग्रेस के संगठन प्रभारी डॉ संजय कामले ने भास्कर से कहा जिस तरह से उन्होने कहा है कि कांग्रेस पार्टी भाड़ में जाए। ये बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बयान है। जो लोग कांग्रेस से चुने गए हैं जिन्हें लोगों ने वोट देकर जनप्रतिनिधि बनाया उनकी इस तरह की भाषा है तो ऐसी भाषा अक्षम्य है। इस तरीके की बातें उस दिन को बिल्कुल नहीं होनी चाहिए जिस दिन जनता से जुड़े मुद्दों पर बहस होनी थी। बजट पेश होना था। किस प्रकार से ऐसी घटना हुई है क्या यह सुनियोजित तरीके से घटना हुई थी इसके पीछे क्या मंशा थी। इतने वरिष्ठ पार्षद जो 10-15 सालों से सदन में जा रहे हैं।

प्रदेश के विद्यार्थियों ने नागालैंड का किया भ्रमण, देखी उत्तर-पूर्व भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत

भोपाल। एक भारत-श्रेष्ठ भारत÷ कार्यक्रम अंतर्गत मध्यप्रदेश एवं नागालैंड के बीच सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक समन्वय को बनाने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा एक्सपोज़र विज़िट÷ का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने नागालैंड का भ्रमण किया। इससे प्रदेश के विद्यार्थियों को उत्तर-पूर्व भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एवं जीवनशैली को देखा। अब तक इस कार्यक्रम में 4 दलों को नागालैंड भ्रमण के लिए भेजा जा चुका है। विभाग द्वारा पहली बार इस तरह की पहल शुरू की गई है। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों में उत्साह देखा गया। एक्सपोजर विजिट के दौरान विद्यार्थियों ने नागालैंड के प्रमुख ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक स्थलों का भ्रमण किया। इसमें कोहिमा, खोनोमा (भारत का प्रथम ग्रीन विलेज), किसामा विलेज (हॉर्नबिल महोत्सव स्थल), कोहिमा वॉर सेमेट्री (द्वितीय विश्व युद्ध स्मारक) एवं कैथेड्रल चर्च शामिल हैं। खोनोमा में विद्यार्थियों ने पारंपरिक जनजातीय जीवन एवं सांस्कृतिक संरचनाओं का अवलोकन भी किया।

रीवा और मऊगंज में करोड़ों का डामर घोटाला

फर्जी इनवॉइस लगाकर डकारे 18 करोड़ रुपए, ईओडब्ल्यू ने 44 पर दर्ज किया केस

रीवा, दोपहर मेट्रो

आर्थिक अपराध शाखा रीवा ने एमपी ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की रीवा एवं मऊगंज इकाइयों में हुए बहुचर्चित डामर घोटाले का खुलासा करते हुए अधिकारियों और संविदाकारों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया है। आरोप है कि सड़क निर्माण कार्यों में निम्न गुणवत्ता के डामर का उपयोग कर इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के नाम से कूट रचित (फर्जी) इनवॉइस प्रस्तुत कर करोड़ों रुपए का भुगतान प्राप्त किया गया। जांच में सामने आया है कि वर्ष 2017 से 2021 के बीच ठेकेदारों एवं विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से यह पूरा खेल संचालित हुआ। आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से फर्जी बिल तैयार कर विभाग में प्रस्तुत किए और भुगतान प्राप्त कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया।

रीवा में 12.71 करोड़, मऊगंज में 5.88 करोड़ का फर्जी भुगतान

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार रीवा परियोजना क्रियान्वयन इकाई में 12,71,06,372 रुपए तथा मऊगंज में 5,88,26,713 रुपए का भुगतान फर्जी इनवॉइस के माध्यम से किया गया। इस मामले में रीवा के 27 एवं मऊगंज के 17 आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। रीवा इकाई में तत्कालीन महाप्रबंधक राजीव कुमार द्विवेदी, कैलाश कुमार सोनी, जुगल किशोर गुप्ता, रामकुमार तिवारी, सहायक प्रबंधक मोहम्मद शाहनवाज, प्रकाश नारायण त्रिपाठी, अमरेश कुमार पाण्डेय, दिनेश कुमार शुक्ला, मुनि माधव मिश्रा, उपयंत्री दुर्गादास द्विवेदी, गीता काकोड़िया, आशीष शर्मा, वंदना पाण्डेय, प्रियंका अग्रवाल, आकांक्षा सोनी, शिवपाल सिंह परिहार सहित कई अधिकारी एवं संविदाकार शामिल हैं।

अफसरों ने परिसर में ही फूंक दिया 15 साल पुराना रिकॉर्ड

भोपाल। आबकारी विभाग के 5 नंबर स्थित राज्य स्तरीय उड़नदस्ते के दफ्तर में रिकॉर्ड नष्टीकरण को लेकर गड़बड़ी सामने आई है। यहां करीब 15 साल पुराने रिकॉर्ड को परिसर में ही आग लगा दी गई। एक-दो नहीं, दर्जनों फाइलों में अफसरों व कर्मचारियों ने आग लगाई। जलती फाइलों का धुआं बाहर तक दिखाई दिया, जिससे प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं। नियमों के अनुसार रिकॉर्ड नष्टीकरण कतरन (श्रेडिंग) से होना चाहिए, लेकिन यहां फाइलें सीधे जलाई जा रही हैं। एडिशनल कमिश्नर मुकेश नेमा ने इसे नियम सम्मत बताया, जबकि आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना ने फाइलें जलाने की जानकारी से इनकार किया और जांच के आदेश दिए हैं। सहायक जिला आबकारी अधिकारी प्रवीण उपाध्याय के अनुसार समिति की सिफारिश पर कार्रवाई हो रही है। हालांकि उन्होंने कोई लिखित आदेश नहीं दिखाया।

कौन से रिकॉर्ड नष्ट किए गए

विभागीय प्रकरण: 1983-84 से 2022-23
पी-14 पंजी व अन्य अभिलेख: 1983-84 से 2014-15
अनुपयुक्त टेंडर फॉर्म- शिकायत पंजी व निस्तारण रिकॉर्ड: 2009-10, 2013-14
स्थापना शाखा रिकॉर्ड: 1989 से 2013-14उपस्थिति पंजी, सेवा दस्तावेज, डाक रजिस्टर

दोपहर मेट्रो — दावा, उड़द में कम कीटनाशक और बेहतर गुणवत्ता, किसानों को होगा फायदा

मूंग की खरीदी से सरकार पीछे हटी, उड़द पर मिलेगा 600 बोनस

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

समर्थन मूल्य पर अच्छे दाम मिलने से किसानों ने जबलपुर ही नहीं बल्कि प्रदेश में मूंग के उत्पाद पर जोर दिया। कम समय में अधिक से अधिक उत्पाद लेने और लागत घटाने के लिए बड़ी मात्रा में मूंग में कीटनाशक की प्रयोग किया। यहां तक की 55 से 60 दिन में पकने वाली मूंग में हर सप्ताह कीटनाशक का छिड़काव किया गया, जिसका असर यह हुआ कि मूंग की गुणवत्ता प्रभावित हुई, वह जहरीली हो गई।लिहाजा इस बार प्रदेश सरकार समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी से पीछे हट गई है। मूंग की जगह प्रदेश सरकार अब उड़द की खरीदी करेगी। गेंहू कटाई के बाद मूंग की बजाए किसानों को अधिक से अधिक उड़द लगाने के लिए कृषि विभाग, किसानों को प्रोत्साहित कर रहा है। सरकार ने इस बार उड़द में समर्थन मूल्य के साथ 600 रुपये का बोनस देने का भी वादा किया है। जबलपुर में मूंग का रकबा 50 हजार हेक्टेयर है तो वहीं उड़द का रकबा 40 से 45 हजार हेक्टेयर है।

कम समय में ज्यादा पैदावार पर जोर- कृषि विवि के मृदा विशेषज्ञ डॉ. शेखर सिंह बघेल बताते हैं कि मूंग मूल रूप से खरीफ यानि बरसात की फसल है, लेकिन अधिक लाभ कमाने की चाहत में किसान इसे गर्मी के मौसम में भी उगा रहे हैं। 55 से 60 दिन में तैयार होने वाली इस फसल में हर सप्ताह कीटनाशकों का छिड़काव किया जा रहा है, जिससे उत्पादन तो बढ़ा, लेकिन गुणवत्ता गिरती चली गई।

उड़द की खेती को दे रहे बढ़ावा

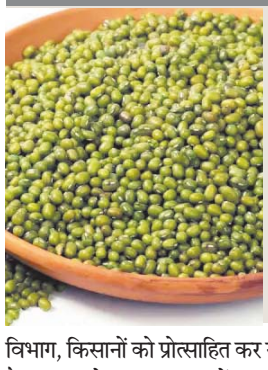

उड़द की खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने विशेष योजना तैयार की है। उड़द में कीटनाशकों का उपयोग अपेक्षाकृत कम होता है और इसकी फसल अवधि भी संतुलित रहती है, जिससे गुणवत्ता बेहतर बनी रहती है। किसानों को आकर्षित करने के लिए सरकार ने इस बार समर्थन मूल्य के साथ 600 रुपये प्रति क्विंटल बोनस देने की घोषणा की है। वर्तमान में जबलपुर जिले में उड़द का रकबा लगभग 40 से 45 हजार हेक्टेयर है। कृषि विभाग का लक्ष्य इसे बढ़ाकर 60 से 70 हजार हेक्टेयर तक ले जाने का है। इसके लिए किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन और आवश्यक सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है। बदलती परिस्थितियों में किसानों को फसल चक्र अपनाने और कम जोखिम वाली फसलों की ओर रुख करना चाहिए।

इसलिए दिया जोर

मूंग की गिरती गुणवत्ता और घटती मांग के बीच उड़द की खेती किसानों के लिए एक बेहतर विकल्प बनकर उभर रही है। सरकार द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त बोनस और कम लागत के चलते यह फसल आने वाले समय में किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। मूंग का उपार्जन इस बार नहीं किया जाएगा, बल्कि उड़द का उपार्जन होगा। इसकी अधिक से अधिक खरीदी हो, इसलिए इस बार उड़द पर 600 रुपये का बोनस भी दिया जाएगा। किसानों को इस फसल को लगाने के लिए जोर दिया जा रहा है।

होर्मुज से वाशिंगटन तक

मध्य एशिया की उथल-पुथल में आई यह अस्थायी शांति किसी स्थायी समाधान का संकेत कम और एक रणनीतिक विराम ज्यादा प्रतीत होती है। ईरान-अमेरिका टकराव पर दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा ने भले ही राहत की एक सतही परत बिछा दी हो, लेकिन हालात की गहराई कुछ और ही कहानी कहती है। लेबनान में इजरायल की सैन्य कार्रवाई ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बारूद अभी ठंडा नहीं हुआ, बल्कि सिर्फ मोर्चा बदल रहा है। सवाल यह है कि क्या यह शांति टिकेगी या आने वाले किसी बड़े विस्फोट की प्रस्तावना है? यही वह बिंदु है, जहां वैश्विक कूटनीति फिर से सक्रिय होती दिखाई दे रही है-और भारत इस बार सिर्फ दर्शक नहीं, बल्कि एक सजग और सक्रिय खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है। नई दिल्ली ने तेजी से अपने कदम बढ़ाते हुए खाड़ी क्षेत्र के देशों के साथ संवाद और सहयोग को प्राथमिकता दी है। इसके पीछे साफ रणनीति है- ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखना और क्षेत्रीय अस्थिरता के बीच अपने हितों की रक्षा करना। विदेश मंत्री एस. जयशंकर का संयुक्त अरब अमीरात दौरा इसी कूटनीतिक सक्रियता का हिस्सा है। भारत और यूएई के बीच पहले से ही मजबूत आर्थिक रिश्ते हैं, लेकिन मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव ने इस साझेदारी को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। ऊर्जा के क्षेत्र में यूएई की भूमिका भारत के लिए केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है। इसी कड़ी में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी का कतर दौरा भी बेहद अहम हो जाता है। कतर, जो भारत की गैस जरूरतों का बड़ा हिस्सा पूरा करता है, इस समय ऊर्जा सुरक्षा के समीकरण में एक केंद्रीय भूमिका निभा रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य में आई बाधाओं ने जिस तरह आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया, उसने यह साफ कर दिया कि भारत को अपने ऊर्जा स्त्रोतों को लेकर और अधिक सतर्क और विविधतापूर्ण रणनीति अपनानी होगी। दिलचस्प बात यह है कि भारत ने अपनी कूटनीति को केवल खाड़ी तक सीमित नहीं रखा है। अमेरिका के साथ भी उसने अपने संबंधों को संतुलित बनाए रखा है। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री की अमेरिकी नेतृत्व के साथ हुई बातचीत इस बात का संकेत है कि भारत एक बहुस्तरीय और संतुलित विदेश नीति पर काम कर रहा है- जहां हर शक्ति केंद्र के साथ संवाद बनाए रखना जरूरी है। दरअसल, यह संघर्ष अब दो देशों के बीच की लड़ाई नहीं रह गया है। इसके प्रभाव वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री मार्गों और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा ढांचे तक फैल चुके हैं। ऐसे में भारत के लिए यह केवल कूटनीतिक चुनौती नहीं, बल्कि एक अवसर भी है- अपने वैश्विक कद को और मजबूत करने का।

'जंगलराज' की ओर बढ़ती दुनिया और भारतीयता में समाहित वैश्विक कल्याण का मार्ग

प्रो. एस. के. सिंह
स्तंभकार

वर्तमान में अविश्वास की परतों से घिरी हुई विश्व व्यवस्था अनेक प्रकार के संघर्षों एवं अस्थिरताओं से जूझ रही है। ईरान बनाम अमेरिका-इजराइल युद्ध, अमेरिका द्वारा वेनेजुएला में की गई असंगत कार्यवाही, लंबे समय से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध, पर्यावरण संकट, मानसिक तनाव एवं बढ़ती असहिष्णुता इस बात का प्रमाण है कि आज विश्व गहरे संकट से गुजर रहा है।

वस्तुतः पिछले कुछ समय की सैन्य गतिविधियों को देखकर तो ऐसा लग रहा है कि विश्व-व्यवस्था पूरी तरह से लड़खड़ा गई है एवं धीरे-धीरे दुनिया 'जंगलराज' की ओर बढ़ रही है। टैरिफ को लेकर ट्रंप के अपरिपक्व एवं गैर-जिम्मेदार रवैये तथा पल-पल बदलते उनके बचकाने बयानों ने भूमंडलीकरण के मूल उद्देश्यों पर ही प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। जिस भूमंडलीकरण को परस्पर निर्भरता, वैश्विक सहयोग एवं साझा प्रगति का आधार माना गया था, आज वह कमजोर पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। इन विषम परिस्थितियों में भारतीय दर्शन, भारत की संस्कृति अर्थात् 'भारतीयता' एक ऐसा विकल्प है जो विश्व में स्थायी शांति, संतुलन, समन्वय एवं सहयोग का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। हजारों सालों से पूरी पृथ्वी को एक मानने एवं मानवता के समग्र कल्याण पर आधारित 'वसुधैव कुटुम्बकम', 'सर्वे भवन्तु सुखिनः', 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' जैसे भारतीय सिद्धांतों में विकास और प्रगति का अर्थ किसी एक व्यक्ति या किसी एक राष्ट्र का हित नहीं बल्कि समग्र रूप में पूरी मानवता का कल्याण करना है, अर्थात् 'स्व' से 'सर्व' की यात्रा ही भारतीयता है। भारतीयता के इस मूल भाव को भारतीय जीवन दृष्टि के विभिन्न पहलुओं में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

भारतीयता का एक महत्वपूर्ण आयाम प्रकृति के साथ निकटता, सामंजस्य एवं संतुलन रखना है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में वृक्षों, नदियों, पर्वतों एवं धरती को पूजनीय माना गया है, जिसमें यह मान्यता है कि प्रकृति के साथ समन्वय रखकर ही पृथ्वी को बचाकर जीवन को सुरक्षित रखा जा सकता है। सत्य, परोपकार, त्याग, दया, करुणा, अहिंसा, सहिष्णुता, नैतिकता, भक्ति, समर्पण, संयम और राष्ट्रप्रेम जैसे भारतीय जीवन मूल्य, मूल्य-आधारित भारतीयता की आत्मा हैं। कई तरह की विविधताओं के बावजूद 'अनेकता में एकता' भी भारतीयता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। 'साईं इतना दीजिए जामें कुटुम्ब समाय' अर्थात् हमें उतना ही संचय करना चाहिए, जितना आवश्यक है। भारतीय मूल्यों की यह गहन अभिव्यक्ति भारतीयता के उस पहलू को उजागर करती है जहां व्यक्तिगत और सामूहिक हित साथ-साथ चलते हैं। इसके विपरीत पाश्चात्य चिंतन के मूल में व्यक्ति, भौतिकता, बाहरी दुनिया एवं बाहरी उपलब्धियां हैं। इसलिए पश्चिम का मूल स्वभाव स्वार्थ है न कि सद्भाव। जिसके कारण कभी-कभी किसी एक व्यक्ति की अनैतिक एवं अनुचित महत्वाकांक्षाओं का खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ता है। ईरान, अमेरिका-इजराइल युद्ध के चलते पूरी दुनिया में इंटरनेट बंद होने का खतरा मंडरा रहा है। भारत को जब भी दुनिया का नेतृत्व करने का अवसर मिला है, भारत ने सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश की है। चूंकि विस्तारवादी सोच की शुरुआत हमेशा लालच से होती है, इसलिए भारतीय चिंतन में इस सोच को कभी भी प्रश्रय नहीं दिया गया। आध्यात्मिकता भारतीय चिंतन की मूल विशेषता है, इसलिए भारतीयता के हर पहलू में हमें इसकी झलक दिखाई देती है। सदियों से भारत में शिक्षा को विद्या, छात्र को विद्यार्थी एवं शिक्षक को गुरु कहा जाता था। शिक्षा हमें बाहरी ज्ञान एवं जीवनयापन सिखाती है, जबकि विद्या एक आंतरिक गुण है जो कि हमारे विवेक, संस्कारों एवं आचरण से जुड़ी होती है तथा हमें सही एवं गलत में भेद करना सिखाती है। शिक्षा सिर्फ सफलता तक सीमित रहती है जबकि विद्या हमें सार्थकता तक ले जाती है।

श्री विष्णु पुराण में उल्लेख है कि 'तत्कर्म यन्न बन्धाय, सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात् कर्म वही है जो बंधन में न बांधे और विद्या वही है जो मुक्त करे। यही कारण है कि भारतीयता में आत्म-बोध अर्थात् आत्म-साक्षात्कार पर विशेष बल दिया गया है। शिक्षा वह है जिसे प्राप्त करने के बाद विनम्रता आए एवं व्यक्ति, व्यक्तिगत लाभ की जगह सामूहिक हित को प्राथमिकता दे, इसलिए भारतीय ज्ञान परंपरा में कहा गया है कि 'विद्या ददाति विनयं' अर्थात् सच्ची विद्या से व्यक्ति में विनम्रता आती है। यहां स्पष्ट है कि दुनिया में यदि स्थायी शांति एवं सद्भाव स्थापित करना है तो हमें भारतीयता के मूल्यों का प्रचार-प्रसार करना होगा। यहां पर यह उल्लेख करना आवश्यक है कि अतीत की ओर लौटना ही भारतीयता नहीं है, बल्कि 'नित्य नूतन, चिर पुरातन' की सोच के साथ भविष्य के लिए एक संतुलित एवं मानवीय मार्ग का निर्माण करना भारतीयता का एक प्रमुख गुण है। यह केवल अतीत की धरोहर नहीं बल्कि भविष्य के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत है।

ऐसे में कहना यही है कि वैश्विक चुनौतियों के इस दौर में आज विश्व जिन समस्याओं से जूझ रहा है, उन सभी का स्थायी समाधान भारतीयता पर आधारित शिक्षा में निहित है। ऐसी शिक्षा जो आधुनिकता को भारतीय पहचान से जोड़े भारतीय शिक्षा है। शिक्षा में भारतीयता का आशय सिर्फ पीछे मुड़कर देखना नहीं बल्कि वर्तमान से सामंजस्य स्थापित कर एक ऐसी जीवन दृष्टि प्रदान करना है जिसमें व्यक्ति यह समझ सके कि केवल विज्ञान नहीं बल्कि विज्ञान एवं आध्यात्मिकता का सामंजस्य ही वैश्विक समस्याओं के स्थायी समाधान का मूल मंत्र है। आध्यात्मिकता एवं स्वीकार्यता भारतीयता की वे सार्वभौमिक विशेषताएं हैं जो भारत को पुनः विश्वगुरु के रूप में स्थापित करने की क्षमता रखती हैं। यही कारण है कि आज भारत वैश्विक परिदृश्य में एक नई उम्मीद और विश्वास के केन्द्र के रूप में उभर रहा है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस

सशक्त स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के माध्यम से ही सिद्ध होगा हर मां की सुरक्षा का संकल्प

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

11 अप्रैल को भारत में राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षित प्रसव और मातृ सुरक्षा के प्रति व्यापक जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर देशभर में सरकारी और निजी संस्थानों द्वारा स्वास्थ्य शिविर, निःशुल्क जांच, परामर्श और जागरूकता अभियान आयोजित किए जाते हैं। इस दिवस का मुख्य लक्ष्य मातृ मृत्यु दर में कमी लाना, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना, गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल, संतुलित पोषण तथा गर्भावस्था के दौरान होने वाले खतरनाक संकेतों के बारे में शिक्षित करना है। साथ ही, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना और हर महिला को सुरक्षित व सम्मानजनक प्रसव की सुविधा उपलब्ध कराना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। भारत सरकार ने 11 अप्रैल 2003 को 'व्हाइट रिबन एलायंस इंडिया' के अनुरोध पर इस दिवस की शुरुआत की थी, जिसके लिए 1800 से अधिक स्वयंसेवी संस्थाओं ने मिलकर अभियान चलाया था। इस दिवस का प्रतीक सफेद रिबन है, जो उन माताओं के प्रति शोक व्यक्त करता है जिनकी मृत्यु गर्भावस्था या प्रसव के दौरान हुई, और साथ ही आशा, पवित्रता तथा इस संदेश का प्रतीक है कि गर्भावस्था कोई बीमारी नहीं है और किसी भी महिला को जीवन देते समय अपनी जान नहीं गंवानी चाहिए।

भारत दुनिया का पहला देश है जिसने सुरक्षित मातृत्व के लिए एक समर्पित राष्ट्रीय दिवस घोषित किया, जबकि अन्य देश और वैश्विक संगठन सामान्यतः 28 मई को 'इंटरनेशनल डे ऑफ एक्शन फॉर वीमेन हेल्थ' मनाते हैं। यह दिवस कस्तूरबा गांधी की जयंती पर मनाया जाता है, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुरक्षित प्रसव के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। साबरमती आश्रम में उन्होंने महिलाओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और उस समय, जब स्वास्थ्य सुविधाएं अत्यंत सीमित थीं, वे स्वयं एक कुशल प्रसव सहायिका के रूप में कार्य करती थीं तथा ग्रामीण महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिए शिक्षित करती थीं। इस प्रकार यह दिवस उनके मौन लेकिन महत्वपूर्ण योगदान को स्मरण करने का अवसर भी है।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश में मातृ स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' के अंतर्गत प्रत्येक माह की 9 तारीख को सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क विशेषज्ञ जांच की सुविधा प्रदान की जाती है। 'जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत गर्भवती महिलाओं को मुफ्त प्रसव, भोजन और जांच की सुविधा मिलती है। इसके अतिरिक्त, 'नर्स प्रैक्टिशनर इन मिडवाइफरी' के माध्यम से पारंपरिक दाइयों के अनुभव को आधुनिक चिकित्सा विज्ञान से जोड़कर 'मिडवाइफरी लेड केयर यूनिट्स' विकसित किए जा रहे हैं, जिससे प्रसव प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित, सहज और कम तनावपूर्ण बनाया जा सके।

वास्तव में, यह काबिले-तारीफ है कि पिछले एक दशक में भारत ने मातृ मृत्यु दर में लगभग 70 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी दर्ज की है और आज लगभग 90 प्रतिशत प्रसव अस्पतालों में (संस्थागत प्रसव) हो रहे हैं, जबकि 2003 में यह संख्या काफी कम थी। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार भारत का मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) घटकर 88 प्रति लाख जीवित जन्म हो गया है, जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के निर्धारित लक्ष्य (100 से कम) से बेहतर है। यदि वैश्विक स्तर पर तुलना करें तो 1990 के बाद से भारत ने अपनी मातृ मृत्यु दर में लगभग 86 प्रतिशत की कमी हासिल की है, जबकि इसी अवधि में वैश्विक औसत गिरावट केवल 48 प्रतिशत रही है। वर्तमान में भारत का लक्ष्य 2030 तक संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप इस दर को 70 से नीचे लाना है। केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मातृ मृत्यु दर को 40 से नीचे ला दिया है, जबकि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम में यह दर अभी राष्ट्रीय औसत से अधिक है, फिर भी संस्थागत प्रसव में वृद्धि के कारण वहां तेजी से सुधार हो रहा है।

अंततः, यही कहूंगा कि राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस केवल एक जागरूकता दिवस नहीं, बल्कि एक मानवीय और सामाजिक दायित्व का प्रतीक है। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति उसकी माताओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य से मापी जाती है। जब तक हर गर्भवती महिला को समय पर उचित देखभाल, पर्याप्त पोषण, प्रशिक्षित स्वास्थ्य सेवाएं और सम्मानजनक व्यवहार नहीं मिलेगा, तब तक विकास अधूरा रहेगा। इस दिवस का मूल संदेश यही है कि सुरक्षित मातृत्व कोई विकल्प नहीं, बल्कि हर महिला का मौलिक अधिकार है। वास्तव में, सामूहिक प्रयासों, जन-जागरूकता और सशक्त स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के माध्यम से ही हम एक ऐसा समाज व देश बना सकते हैं, जहां हर मां सुरक्षित हो और हर नवजीवन स्वस्थ भविष्य की ओर अग्रसर हो।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

मन की बीमारी का संकेत भी हो सकता है महिलाओं का बार - बार बदलता मूड

महिलाओं के लिए कहा जाता है कि उनके मन को समझना बहुत मुश्किल है। लेकिन महिलाओं का बनता-बिगड़ता मूड कई बार व्यवहार नहीं, बीमारी का संकेत होता है। पल भर में खुश हो जाना और अगले पल उदास होना 'बाइपोलर डिसऑर्डर' का संकेत हो सकता है।महिलाओं और पुरुषों में इस रोग के संकेत अलग नजर आते हैं। महिलाओं में बाइपोलर डिसऑर्डर के संकेतों को अक्सर मूड स्विंग समझ लिया जाता है, जिससे रोग का पता देर से चलता है और समस्या ज्यादा जटिल हो जाती है। बाइपोलर डिसऑर्डर पुरुषों और महिलाओं दोनों को प्रभावित करता है, लेकिन महिलाओं में इसके लक्षण अलग होते हैं। महिलाओं के जीवन पर हार्मोंस का गहरा प्रभाव होता है इसलिए उनमे बाइपोलर डिसऑर्डर का असर बायोलॉजिकल और हार्मोनल भी होता है। साथ ही इसमें सामाजिक कारण भी हो सकते हैं। पुरुष और महिला में ये अंतर उनके व्यवहार में भी साफ नजर आते हैं, जिसके कारण दोनों के इलाज की प्रक्रिया भी अलग हो सकती है।

रैपिड साइकलिंग : महिलाओं में रैपिड साइकलिंग की संभावना भी अधिक होती है, जिसमें मूड एपिसोड बहुत तेजी से बदलते हैं। ये बदलाव कभी कुछ दिनों में, तो कभी हफ्तों में नजर आ सकता है। इससे यह स्थिति अनिश्चित और नियंत्रित करने में कठिन लगती है। इसका असर महिला की डेली लाइफ, रिश्तों और काम पर भी पड़ता है। रैपिड साइकलिंग का संबंध अक्सर हार्मोनल बदलावों से होता है। ये हार्मोनल बदलाव ट्रिगर की तरह काम करते हैं, जिससे महिला का व्यवहार बार-बार बदलता है।

बाइपोलर डिसऑर्डर कब होता है?: प्रेग्नेंसी को आमतौर पर भावनात्मक स्थिरता का समय माना जाता है, लेकिन बाइपोलर डिसऑर्डर से पीड़ित महिलाओं के लिए यह संवेदनशील समय हो सकता है। कुछ महिलाओं में इस दौरान लक्षण नियंत्रित रहते हैं, जबकि कुछ में यह बढ़ सकते है। प्रसव के बाद का समय सबसे अधिक जोखिम वाला होता है। इस दौरान महिलाओं में गंभीर मूड एपिसोड विकसित होने की संभावना अधिक होती है। इस दौरान महिलाओं में पोस्टपार्टम डिप्रेशन या पोस्टपार्टम साइकोसिस होने का खतरा काफी बढ़ जाता है। इसमें तुरंत चिकित्सकीय सहायता की आवश्यकता होती है। बाइपोलर डिसऑर्डर की स्थिति को मेनोपॉज और जटिल बना देता है। इस समय एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर धीरे-धीरे कम होता है, जिससे मस्तिष्क के न्यूरोट्रांसमीटर सिस्टम प्रभावित हो सकते हैं और मूड अस्थिरता बढ़ सकती है। इस दौरान नियमित निगरानी और उपचार में बदलाव की आवश्यकता हो सकती है।

महिलाओं के व्यवहार को समझें: महिलाओं के जीवन में कई सामाजिक जिम्मेदारियां होती हैं, जैसे परिवार की देखभाल, काम और घर के बीच संतुलन, सामाजिक अपेक्षाएं, ये सभी अक्सर महिलाओं के जीवन में तनाव पैदा कर सकते हैं, जो मूड एपिसोड को ट्रिगर कर सकते हैं।

सुविचार

प्रार्थना ऐसे करो जैसे सब कुछ भगवान पर निर्भर करता है और प्रयास ऐसे करो जैसे सब कुछ आप पर निर्भर करता है।

–अज्ञात

निशाना

किसको किसको मारें यार..!

चौ. मदन मोहन समर

किसको-किसको मारें यार।
थोड़ा बैठ विचारें यार।
हम भी एक परिंदे हैं,
इतना तो स्वीकारें यार।
दो मीठी सी बातें करके
अपना दंभ उतारें यार।
ताल ठोकने वाले हम,
आज स्वयं से हारें यार।
एक-एक कर जिसे उजाड़ा,
मिलकर उसे संवारें यार।

यूजर्स गाइड

अब बिना बैंक अकाउंट होगा UPI पेमेंट, गूगल - पे पर आया फुल कंट्रोल वाला पॉकेट मनी फीचर

गूगल - पे ने एक ऐसा फीचर पेश किया है, जिसके जरिए बिना बैंक अकाउंट के भी आप पेमेंट कर सकते हैं। गूगल पे के UPI Circle में 'Pocket Money' फीचर जुड़ गया है। इसकी मदद से यूजर्स अपने परिवार वालों और दोस्तों को अपने बैंक अकाउंट से यूपीआई पेमेंट करने की सुविधा दे सकते हैं। Google Pay पर एक मौजूदा UPI यूजर के तौर पर आप प्राइमरी यूजर होते हैं और आप अपने परिवार के सदस्यों, दोस्तों या कर्मचारियों को यूपीआई सर्कल में जोड़ सकते हैं। वे आपके UPI Circle के सेकेंडरी यूजर बन जाते हैं। इस तरह सेकेंडरी यूजर के तौर पर वे आपके ही बैंक अकाउंट का इस्तेमाल करके पेमेंट कर सकते हैं। लेकिन आपका इस पर पूरा कंट्रोल होगा कि आप कितने रुपये तक का पेमेंट उन्हें करने की परमिशन देते हैं।

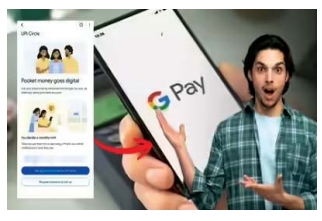

क्या है पॉकेट मनी फीचर?: गूगल पे का यह फीचर पॉकेट मनी मैनेज करने, आश्रितों की मदद करने या कर्मचारियों को पेमेंट में सहायता करने के लिए बहुत अच्छा है। एक प्राइमेरी यूजर के तौर पर आप लेन-देन की सीमा कभी तय कर सकते हैं और पेमेंट की मंजूरी भी दे सकते हैं। सीधी भाषा में कहें तो यह फीचर उन लोगों के लिए काफी उपयोगी है, जिनका बैंक अकाउंट नहीं है और उन्हें UPI पेमेंट करना होता है। उदाहरण के लिए माता-पिता अपने बच्चों को UPI सर्किल में सेकेंडरी यूजर के तौर पर जोड़ सकते हैं और उनके लिए पॉकेट मनी के तौर पर एक अमाउंट तय कर सकते हैं। अब बच्चों अपने माता-पिता के बैंक अकाउंट से ही उस तय संख्या में पेमेंट कर पाएंगे, जो माता-माता ने फिक्स की है। प्राइमरी यूजर दो तरीकों से लेन-देन को कंट्रोल कर सकता है। एक तो लेन-देन की सीमा तय करके और दूसरा पेमेंट को मंदूरी देकर। अगर आप सेकेंडरी यूजर को पूरा अधिकार देते हैं तो अकाउंट की सीमा अपने आप हर महीने 15,000 रुपये तक तय हो जाएगी। प्राइमरी यूजर बनने के लिए आपके पास UPI अकाउंट होना चाहिए। आप ज्यादा से ज्यादा 5 सेकेंडरी यूजर्स जोड़ सकते हैं। अपने UPI सर्कल में सेकेंडरी यूजर जोड़ने के लिए उनका नंबर आपके फोन की कॉन्टैक्ट्स लिस्ट में सेव होना चाहिए। उनके पास त्रश्नश्वद्दद्यद्ग Pay ऐप हो और वह उसमें उनका फोन नंबर रजिस्टर्ड हो। उनके पास UPI ID या UPI Circle QR हो।?

फीचर कैसे सेट अप करें?: इसके लिए आपको अपने फोन में सबसे पहले Google Pay ऐप ओपन करना होगा। इसके बाद UPI Circle में जाएं। या फिर आपको ऐप खोलते ही सामने फीचर दिख जाएगा। सेकेंडरी यूजर का नाम या फोन नंबर सर्च करके सिलेक्ट कर लें। चुने हुए कॉन्टैक्ट का UPI Circle QR कोड स्कैन करें और अप्रूवल सेटिंग्स सेट करें। आप या तो 'हर पेमेंट अप्रूव करें' या 'महीने की एक लिमिट सेट करें' चुन सकते हैं। सेकेंडरी यूजर के लिए कुछ और जानकारी डालनी होगी जैसे कि आपका उनसे क्या रिश्ता है और उनका सरकारी ID नंबर। उनके लिए अपना बैंक अकाउंट चुनें और फिर Invite पर क्लिक करें। Invite भेजने के लिए आपको अपना UPI PIN डालना होगा।

वायरल कंटेंट

पीठ पर बांधे कांटेदार कैक्टस, खून से लथपथ शरीर, आस्था के नाम पर जारी है ऐसी परंपरा

दुनियाभर में ऐसी कई अनोखी और हैरान कर देने वाली परंपराएं हैं, जिन्हें आस्था के नाम पर सदियों से निभाया जा रहा है। कहीं पर लोग खुद को कोड़ों से पीटते हैं, तो कहीं पर अंगारों पर नंगे पैर चलते हैं। ऐसी ही एक चौंकाने वाली तस्वीर मैक्सिको से सामने आई है, जहां आध्यात्मिक मुक्ति की तलाश में लोग अपने शरीर के साथ ऐसा दर्दनाक व्यवहार कर रहे हैं, जिसे देखकर ही रूह कांप जाए। मैक्सिको के मिचोआकन राज्य के अंगंगुओ (Angangueo) में गुड फ्राइडे के मौके पर आयोजित होने वाले पारंपरिक जुलूस में दर्जनों पुरुषों ने अपनी नंगी पीठ पर कटीले कैक्टस बांधकर मार्च किया।

इस अजीबोगरीब और दर्दनाक कृत्य से जुड़ी परंपरा को स्थानीय स्तर पर नोपाल प्रोसेशन के नाम से जाना जाता है, जो मैक्सिको के कई हिस्सों में सदियों से प्रचलित है.। वहीं, इस परंपरा में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को पेनिटेंट्स कहा जाता है, जिसका अर्थ होता है अपने पापों का प्रायश्चित करने वाला। यहां मान्यता है कि अपनी पीठ पर कटीले कैक्टस ले जाना ईसा मसीह के बलिदान और उनके द्वारा सही गई शारीरिक पीड़ा का प्रतीक है। ये लोग अपनी आस्था को साबित करने के लिए इस असहनीय दर्द को बिना उफ़ किए सहते हैं। मैक्सिको में नोपाल यानी कांटेदार कैक्टस को राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक माना जाता है, लेकिन उसी पौधे का इस्तेमाल यहां खुद को यातना देने के लिए किया जा रहा है। हाल ही में सोशल मीडिया पर इससे जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियोज सामने आए, जिसने नई बहस छेड़ दी है।

तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि कैसे ये पुरुष सड़कों पर धीमे कदमों से आगे बढ़ रहे हैं। उनकी पीठ से कैक्टस की टहनियां कसकर बंधी हुई हैं और हर कदम के साथ वे कांटे उनके मांस में गहराई तक धंस रहे हैं। उनके लिए यह पीड़ा भगवान के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा और समर्पण का हिस्सा है. हर साल इस नज़ारे को देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और पर्यटक जमा होते हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर लोगों ने ढेर सारे कमेंट्स किए। जहां कुछ लोग इसे उनकी संस्कृति और व्यक्तिगत विश्वास का हिस्सा मान रहे हैं, तो बड़ी संख्या में लोग इसकी आलोचना कर रहे हैं।

क्या है इस परंपरा का इतिहास?: मैक्सिको में इस तरह के 'आत्म-दंड यानी खुद को सजा देने' वाले जुलूसों का इतिहास काफी पुराना है। स्पेनिश उपनिवेश काल के दौरान ऐसी कई प्रथाएं शुरू हुई थीं, जहां लोग सार्वजनिक रूप से कोड़े मारकर या भारी वजन उठाकर अपने पापों का प्रायश्चित करते थे। आज के आधुनिक दौर में भी मैक्सिको के कई समुदायों में ये परंपराएं जस की तस बनी हुई हैं। लोगों का मानना है कि जो दर्द वे सह रहे हैं, वह उन्हें ईश्वर के और करीब ले जाता है। इस रस्म के दौरान कई प्रतिभागियों की पीठ पूरी तरह से लहूलुहान हो जाती है और कई बार संक्रमण का खतरा भी बना रहता है। बावजूद इसके, वहां के लोगों में इस रस्म के प्रति गजब का उत्साह रहता है।

न्यूज विंडो

विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

सिरोंज। क्षेत्र के ग्राम बरेज में एक भावनात्मक और प्रेरणादायक पहल देखने को मिली, जब जन अभियान परिषद से संबद्ध संस्था सर्व धर्म जन कल्याण सेवा समिति द्वारा विधायक हरिसिंह सप्रे के जन्मदिन को सेवा और प्रकृति के नाम समर्पित किया गया। इस अवसर पर पीएम श्री विद्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां विद्यार्थियों, शिक्षकों और ग्रामीणों ने मिलकर एक दर्जन पौधे लगाए और उनकी देखभाल का संकल्प लिया। विद्यालय के प्राचार्य संतोष जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने भावुक शब्दों में कहा कि यदि हम अपने जीवन के खास पलों को प्रकृति को समर्पित करें, तो यह धरती फिर से हरी-भरी हो सकती है। कार्यक्रम के दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ भी किया गया। गर्मी को देखते हुए गांव में ठंडे पानी के लिए मटकों की व्यवस्था की गई, जिससे राहगीरों और ग्रामीणों को राहत मिल सके। कृषि एवं ग्रामीण मजदूर संघ जिला अध्यक्ष मोहन रघुवंशी ने भी विद्यार्थियों को पर्यावरण और जल संरक्षण का महत्व समझाते हुए कहा कि हर व्यक्ति को अपने घर-परिवार के शुभ अवसरों पर वृक्षारोपण करना चाहिए। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष प्रमोद रघुवंशी, छात्र-छात्राएं, विद्यालय स्टाफ और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मानव अधिकार संगठन ने शुरू की निःशुल्क जल सेवा

गंजबासौदा। भीषण गर्मी को देखते हुए मानव अधिकार सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संगठन भारत द्वारा नगर के प्रवेश द्वार पर निःशुल्क जल सेवा का शुभारंभ किया गया। संस्था पिछले 15 वर्षों से लगातार इस सेवा का संचालन कर रही है, जिससे राहगीरों और नागरिकों को गर्मी में राहत मिल रही है। यह कार्यक्रम सिरोंज रोड स्थित कमलदीप अकादमी परिसर में आयोजित हुआ। शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया। इसके बाद उपस्थित समाजसेवियों का पुष्पमाला व श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि ÷प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है÷ और भीषण गर्मी में इस प्रकार की सेवा समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। जल सेवा का शुभारंभ संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. ए.के. जैन ने किया, जबकि फीता काटकर उद्घाटन जिला अध्यक्ष गणेशराम रघुवंशी, जिला सलाहकार हरी बाबू अग्रवाल, महेंद्र सिंह सूर्यवंशी, राम गोपाल गुप्ता, डॉ. एस.के. सेन, भगवान दास साहू व जिला प्रभारी नीलेश जैन ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में पूर्व प्राचार्य रघुवंशी, विशाल तनवानी, शिक्षाविद निर्मल कुमार जैन, संस्था प्राचार्य सत्यम शर्मा, अनिल शर्मा, शैलेंद्र शर्मा, मुकेश जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन व्यापार प्रकोष्ठ के सुरेश तनवानी ने किया, जबकि अंत में आभार निर्मल कुमार जैन ने व्यक्त किया।

गोयल नर्मदापुरम ग्रामीण तहसीलदार मौर्य बने डोलरिया तहसीलदार

नर्मदापुरम। नर्मदा जिले में नायब तहसीलदार और तहसीलदारों के तबादलें हुए। अपर कलेक्टर अनिल जैन ने तहसीलदारों के बीच तहसीलों का विभाजन किया। जिसमें ऋषि गोयल को नर्मदापुरम ग्रामीण तहसील में तहसीलदार की जिम्मेदारी दी। नर्मदापुरम प्रभारी ग्रामीण तहसीलदार दिव्यांशु नामदेव अब ग्रामीण तहसील में नायब तहसीलदार का पद संभालेंगे। माखननगर नायब तहसीलदार अंकित मौर्य को डोलरिया तहसीलदार की जिम्मेदारी दी। डोलरिया के प्रभारी तहसीलदार सुनील गढ़वाल का तबादला माखननगर नायब तहसीलदार हुआ। पिपरिया नायब तहसीलदार वैभव बैरागी को तहसीलदार पिपरिया, बनखेड़ी नायब तहसीलदार अंजू लोधी को तहसीलदार की जिम्मेदारी दी गई है। बता दें मप्र शासन राजस्व विभाग द्वारा जिले के नायब तहसीलदारों के प्रभारी तहसीलदार के लिए पदस्थापना किए जाने के आदेश जारी किए। इसी के चलते एडीएम अनिल जैन ने 6 नायब तहसीलदार, तहसीलदारों द्य तबादले किए।

तहसीलदार के खिलाफ अधिवक्ता, हटाने की मांग की: माखननगर तहसील के तहसीलदार महेंद्र चौहान से अधिवक्ता संघ परेशान है। उन्होंने नियम विरुद्ध कार्य करने और पक्षकारों सहित अधिवक्ताओं को परेशान करने के आरोपों लगाएं है। अधिवक्ता संघ ने तहसीलदार चौहान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

15 लाख रुपए की लागत से बना आधुनिक पार्लर

इटारसी में प्रदेश का पहला 'स्मार्ट फिश पार्लर' शुरू

इटारसी. दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश के मत्स्य पालन क्षेत्र में नई क्रांति की शुरुआत करते हुए इटारसी के बैल बाजार में शुक्रवार को प्रदेश का पहला स्मार्ट फिश पार्लर का उद्घाटन हुआ। लगभग 15 लाख रुपये की लागत से बने इस आधुनिक पार्लर से न केवल शहर स्वच्छ रहेगा, बल्कि मछली विक्रेताओं को सम्मानजनक व्यापारिक माहौल भी मिलेगा।

यह पार्लर प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत तैयार किया गया है, जो नीली क्रांति के जरिए मत्स्य पालन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर केंद्रित है। पार्लर में आधुनिक डीप फ्रीजर और डिस्प्ले फ्रिज लगाए गए हैं, जो मछलियों की शेल्फ लाइफ बढ़ाएंगे और ग्राहकों को ताजा उत्पाद उपलब्ध कराएंगे। अब मछुआरों को किसानों की तरह केसीसी ऋण कम ब्याज पर मिलेगा, जिससे उनका आर्थिक सशक्तिकरण होगा। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने कहा, पिछले 75 वर्षों की उपेक्षा का अंत हो गया है। पीएम मोदी और सीएम डॉ. मोहन यादव की सरकार ने मछुआरों को किसान का दर्जा देकर मुख्यधारा से जोड़ा है। यह पार्लर साबित करता है कि मेरा देश अब स्मार्ट हो रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने विभाग, निर्माण टीम और ठेकेदार असलम खान की तारीफ की। उन्होंने कहा, गुणवत्ता और पारदर्शिता में कोई समझौता नहीं हुआ। अब माया रैकवार, संजय परते और अनिल पठौरिया जैसे लाभार्थियों को आय बढ़ाने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।÷स्वच्छता, स्वास्थ्य और रोजगार के नए द्वार

इस पार्लर से सड़कों पर खुले में मछली बिक्री से होने वाली गंदगी और बीमारियों में कमी आएगी। यह मॉडल अन्य जिलों के लिए बेंचमार्क बनेगा, जिससे प्रदेशभर में ऐसे और केंद्र खुलेंगे। लाभार्थियों को सरकार से तैयार ढांचा और उपकरण मुफ्त मिलने से उनका निवेश शून्य हो गया है। समारोह में सहायक संचालक मत्स्य विभाग वीरेंद्र चौहान, भाजपा मंडल अध्यक्ष राहुल चौरे, पार्षद अमित विश्वास, सभापति मंजीत कलोसिया सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

दुष्कर्म में बेटे का साथ दिया, दंपती गिरफ्तार

नर्मदापुरम. दोपहर मेट्रो।

नर्मदापुरम पुलिस ने नाबालिग से हुए रेप और पॉक्सो एक्ट केस में 4 साल से फरार दंपत्ति को गिरफ्तार किया। आरोपी पति-पत्नी जबलपुर में नर्मदा घाट किनारे रह रहे थे। सरस्वती घाट से पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर नर्मदापुरम लाया। केस में मुख्य आरोपी गणेश मेहरा दंपत्ति का बेटा है। मामले में पति-पत्नी सहआरोपी हैं। उनके बेटे गणेश मेहरा को अपराध में सजा हो चुकी है और वह जेल में है।

पुलिस के मुताबिक वर्ष 2022 में एक नाबालिग लड़की को गणेश मेहरा ने बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया था। लालच देकर पीड़िता के साथ गलत हरकत की गई। एसआई विशाल नागवे ने बताया कि वारदात के कुछ दिन बाद पीड़िता को आरोपी के घर से छुड़ाया गया था। उसके बयान के आधार पर आरोपी गणेश मेहरा के खिलाफ धारा मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पीड़िता के बयान पर आरोपी के पिता अशोक मेहरा और मां सरोज मेहरा को भी सहआरोपी बनाया गया था। दोनों पिछले 4 साल से फरार चल रहे थे। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दोनों आरोपियों अशोक मेहरा और सरोज मेहरा को जबलपुर के सरस्वती घाट से गिरफ्तार किया।

कांग्रेस ने उपज खरीदी केंद्रों पर पहुंचकर किसानों से चर्चा की, केंद्रों पर मिली अव्यवस्था

इटारसी. दोपहर मेट्रो।

जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष विजय बाबू चौधरी और प्रदेश कांग्रेस महासचिव राजकुमार केलू उपाध्याय ने शुक्रवार को नर्मदापुरम जिले के कई किसान उपज खरीदी (उपार्जन) केंद्रों का दौरा किया। सरकारी व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने पर कई गंभीर समस्याएं सामने आईं।नेताओं ने खरीदी केंद्र क्रमांक 108 (सफल एग्रोटेक बेयर हाउस, ग्राम बेहरखेड़ी, खरीदी सेवा सहकारी समिति रोहना), केंद्र क्रमांक 104 (एमएस पालीवाल वेयरहाउस, सेमरी खुर्द, खरीदी सेवा सहकारी समिति सेमरी खुर्द) और चना खरीदी केंद्र डोलरिया (कृषि उप मंडी प्रांगण) का निरीक्षण किया। डोलरिया केंद्र पर 9 अप्रैल को कांटा पूजन हो चुका है, लेकिन खरीदी शुरू नहीं हुई। मंडी परिसर में भारी अव्यवस्था है–जानवर घूम रहे हैं और बारदाने खुले में रखे हैं। केंद्र 108 पर वेयरहाउस की तैयारी पूरी है, लेकिन खरीदी समिति और बारदानों का कोई पता नहीं। सभी केंद्रों पर बाहर उपज तौलने में किसानों को भारी परेशानी हो रही है, जबकि अंदर खाली जगह पर्याप्त है।जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष विजय बाबू चौधरी ने कहा, नर्मदापुरम जिले के अनेक खरीदी केंद्रों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार की व्यवस्थाओं की पड़ताल की। किसान भाइयों की हर समस्या में कांग्रेस उनके साथ खड़ी रहेगी। जिला प्रशासन को इन कमियों पर तत्काल ध्यान देना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस महासचिव राजकुमार केलू उपाध्याय ने प्रदेश भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, कई केंद्रों पर 9 अप्रैल को कांटा पूजन कर दिया गया, लेकिन 10 अप्रैल को वास्तविक स्थिति देखी तो कथनी-करनी का अंतर साफ झलक रहा है। इसकी जानकारी प्रदेश कांग्रेस कार्यालय को भी दी गई है। कांग्रेस नेताओं ने जिला प्रशासन से तत्काल सुधार की मांग की है।

कायस्थ समाज विकास समिति के नए अध्यक्ष बने प्रदीप श्रीवास्तव

गंजबासौदा. दोपहर मेट्रो।

नगर से सटे ग्राम बेहलोट स्थित भगवान चित्रगुप्त मंदिर में कायस्थ समाज विकास कल्याण समिति के नए अध्यक्ष के रूप में राधा कृष्ण पुरम निवासी एवं सेवानिवृत्त शासकीय शिक्षक प्रदीप श्रीवास्तव को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया। यह निर्णय समाज के वरिष्ठजनों की उपस्थिति में लिया गया। इस अवसर पर समिति के पूर्व अध्यक्ष महेश नारायण श्रीवास्तव ने नव नियुक्त अध्यक्ष का तिलक कर पुष्पमाला से स्वागत एवं सम्मान किया। उल्लेखनीय है कि श्रीवास्तव लंबे समय से चित्रगुप्त मंदिर में सक्रिय रहकर सेवाएं देते रहे हैं। नवनियुक्त अध्यक्ष ने सभी वरिष्ठजनों एवं उपस्थित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए समाज के विकास हेतु निरंतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष महेश नारायण श्रीवास्तव, कैलाश नारायण श्रीवास्तव, अवधेश नारायण श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, शिव नारायण सक्सेना, रामबाबू श्रीवास्तव, दीपक निगम, एड. राजेश सक्सेना, मनोज श्रीवास्तव, उमेश माथुर, विपुल खरे, नितीश कुमार श्रीवास्तव, विकास श्रीवास्तव, राहुल माथुर, रवि माथुर, राजकुमार श्रीवास्तव (सरपंच), इंद्रेश सक्सेना, जितेंद्र सक्सेना, ज्ञानू श्रीवास्तव, अभिषेक माथुर, आशीष श्रीवास्तव आदि नागरिक उपस्थित रहे।

रिश्वत लेते धराए ब्लॉक मैनेजर समेत 3 कर्मचारी

नर्मदापुरम. दोपहर मेट्रो।

नर्मदापुरम के केसला में लोकायुक्त की कार्रवाई हुई। लोकायुक्त टीम ने एनआरएलएम (राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) के ब्लॉक मैनेजर धर्मेंद्र गुप्ता समेत 3 कर्मचारियों को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा। लोकायुक्त की कार्रवाई से ब्लॉक मुख्यालय पर हड़कंप मच गया। लोकायुक्त एसपी सुनैया बरकडे स्व सहायता समूह सुरभि संकुल स्तरीय समूह के माध्यम से जनपद पंचायत केसला के द्वारा संचालित मध्यप्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन योजना में पशु सखी के रूप में कार्यरत हैं। इस कार्य के लिए उसे समूह के माध्यम से फरवरी को 29700 रुपए का मानदेय प्राप्त हुआ। मिशन के जनपद पंचायत केसला में पदस्थ विकासखंड प्रबंधक धर्मेंद्र गुप्ता आवेदिका पर यह दवाब बना रहा था। आवेदिका ने काम पूरा नहीं किया था, लेकिन उसने आवेदिका का काम ज्यादा दिखा कर उसका इतना मानदेय बनवाया है। डीएसपी अजय मिश्रा ने बताया आवेदिका राज आजीविका मिशन में पशु सखी है। आज आजीविका मिशन के तहत शासन से मानदेय पशु सखी को मिलता है। ब्लॉक मैनेजर धर्मेंद्र गुप्ता द्वारा पीड़िता से उसे मंडे के बदले 25000 की रिश्वत मांगी गई।

गांव चले बस्ती चलें अभियान के तहत गांवों में पहुंचे विधायक, हितग्राही मूलक योजनाओं की समीक्षा की

सिरोंज. दोपहर मेट्रो।

विधायक उमाकांत शर्मा गाँव चलो बस्ती चलो अभियान के तहत ग्राम चोडा खेड़ी, ओराखेड़ी, और नेकान पहुँचे जहाँ उन्होंने सरकार के द्वारा चलाई जा रही विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं को लेकर ग्रामीणों से विस्तृत चर्चा की तथा हितग्राही मूलक योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। तथा उपस्थित कार्यकर्ताओ का पटका उड़ाकर स्वागत किया इस अवसर पर प्रमुख रूप से अमोल सिंह जाटव, कैलाश शर्मा, संतोष चोरे अशोक रावल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे

70 वर्षीय राधिया बाई रही मुख्य अतिथि: वही चौड़ा खेड़ी मे आयोजित कार्यक्रम में विधायक उमाकांत शर्मा के द्वारा 70 वर्षीय राधिया बाई को मुख्य अतिथि बनाया जिसमें कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि 6 अप्रैल को भाजपा का स्थापना दिवस था भाजपा के प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में अटल बिहारी वाजपेई रहे जिनके कार्यकाल में में प्रधानमंत्री सड़क किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं का लाभ मिला है और आज सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास सबका विश्वास और सबको प्रधानमंत्री आवास देने वाली सरकार है आज नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्थिर सरकार है जबकि आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अस्थिरता देखने को मिल रही है कई देश गरीब हो रहे हैं भारत आर्थिक मजबूती के साथ खड़ा है और मोदी जी के नेतृत्व में चौमुखी विकास कर रहा है, हम सभी समाज के लोगों के यहां खाते पीते हैं यही बीजेपी की रीति-नीति और एकात्म मानववाद का सिद्धांत रहा है हमने कई लड़ाइयां लड़ी है और गरीब व्यक्ति को सताने वाले के खिलाफ आज भी लड़ रहे हैं और नियम अनुसार कार्रवाई करते रहेंगे।

मंच पर युवा नारी किसान और गरीब: आज जब विधायक उमाकांत शर्मा बस्ती चलो अभियान के तहत चोडा खेड़ी पहुंचे तब वहां मंच पर मोदी जी के द्वारा हमेशा कहा जाने वाला शब्द कि मेरे सिर्फ 4 जाती हैं युवा नारी किसान और गरीब वही आज हमने कार्यक्रम में मंच पर देखी।

मेट्रो एंकर

शिवोहम् और तेजोहम आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर में दिखा युवाओं में दिखा उत्साह

शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास को किया सुदृढ़

सिरोंज. दोपहर मेट्रो।

गीता परिवार मध्यांचल प्रणीत एवं गीता परिवार सिरोंज के साथ के.डी.बी.एम. इंटरनेशनल स्कूल, सिरोंज (विदिशा) के संयुक्त तत्वावधान में शिवोहम् एवं तेजोहम आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का भव्य एवं सफल समापन शुक्रवार को किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के अनेक युवाओं एवं बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों के माध्यम से अपने शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास को सुदृढ़ किया।

शिविर में योगासन, सूर्यनमस्कार, ज्ञानेन्द्रिय संवर्धन, प्रज्ञा संवर्धन (ब्रेन डेवलपमेंट), भगवद्गीता के श्लोकों का अध्ययन, देशभक्ति पर गीत,जीवनमूल्यों पर आधारित कहानियाँ, प्रतियोगिता, लाठी-काठी प्रशिक्षण, गोपुरम अभ्यास, टाइम मैनेजमेंट, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, मैदानी खेल एवं विविध स्पर्धाओं का समावेश किया गया। इन सभी गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों में अनुशासन, आत्मरक्षा, नेतृत्व क्षमता एवं सकारात्मक सोच का विकास हुआ। इसके साथ ही शिविर में बच्चों को प्रेरणादायक गतिविधियों के अंतर्गत हेमा फाउंडेशन की शॉर्ट फिल्म एवं छत्रपति शिवाजी महाराज पर आधारित शेर शिवराज फिल्म भी दिखाई गई, जिससे बच्चों में देशभक्ति, साहस एवं नेतृत्व के गुणों का विकास हुआ। साथ ही प्रतिदिन सूर्य उपासना कराई गई, जिससे बच्चों में ऊर्जा, सकारात्मकता एवं आध्यात्मिक चेतना का संचार हुआ। साथ ही शोभायात्रा का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में गीता परिवार मध्यभारत की उपाध्यक्ष आदरणीया प्रमिला ताई एवं केडीबीएम इंटरनेशनल स्कूल की डायरेक्टर आदरणीया श्वेता आनन्द त्यागी जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। केडीबीएम डायरेक्टर श्वेता आनन्द त्यागी ने कहा कि ऐसे शिविर बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन का विकास होता है, जो उन्हें जीवन में सफल बनने की दिशा प्रदान करता है। प्रमिला ताई ने कहा युवाओं को संस्कार, आत्मरक्षा व आध्यात्मिक ज्ञान से जोड़ना समय की आवश्यकता है। इस प्रकार के शिविर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिविर प्रशिक्षक में अर्जुन युवा मंच के कार्यकर्ता सागर भैया ,श्रीधर भैया जयसिंगपुर, एवं गौरी खण्डेलवाल पुणे ने प्रशिक्षण एवं विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया।

आदर्श चौरसिया महिला मंच का सामूहिक सुहागले आयोजन

इटारसी. दोपहर मेट्रो।

बैसाख माह के पावन अवसर पर आदर्श चौरसिया महिला मंच ने स्थानीय ईश्वर सभागृह में समाज की महिलाओं के लिए पारंपरिक सामूहिक सुहागले कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया। लाल रंग की ड्रेस में सजी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी संस्कृति व परंपराओं को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली की राष्ट्रीय प्रभारी (महिला प्रकोष्ठ) डॉ. इंदु प्रदीप चौरसिया विशेष अतिथि रहीं। अपने उद्बोधन में उन्होंने महिलाओं को संगठित होकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने, संस्कृति संरक्षण करने और आपसी सहयोग बढ़ाने का संदेश दिया।सुहागिन महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों, कथा-पूजन और सुहागले की रस्में निभाईं। भक्ति, उल्लास और अपनत्व से भरा वातावरण गीत-संगीत व पारंपरिक वेशभूषा से और आकर्षक हो गया। कार्यक्रम में मंजुला चौरसिया, शशि जितेंद्र चौरसिया, गीता राजकुमार चौरसिया, चंदा दुर्गा चौरसिया, मधु दिनेश चौरसिया आदि मौजूद रही।

तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र के सेहरी गांव का मामला, 5 अप्रैल को घर में आग लगाकर मां को जिंदा जला दिया था

कलयुगी बेटा ही निकला अपनी मां का कातिल पुलिस ने किया खुलासा

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना क्षेत्र के सेहरी गांव में अपनी मां को जिंदा जलाकर हत्या करने के आरोप में पुलिस ने कलयुगी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है आरोपी को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार, बेटे ने पैसों के विवाद में अपनी मां की हत्या की थी पुलिस को घटना की जानकारी आरोपी बेटे ने ही दी थी। उसने बताया था कि

उसके घर में आग लग गई है और उसकी मां अंदर मौजूद है जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो मकान के मलबे में मां का अधजला शव मिला शुरुआत से ही बेटे पर हत्या का संदेह जताया जा रहा था। गहन जांच के बाद पुलिस ने इस मामले का खुलासा किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

हाथ-मुंह बंधा मिला था महिला का अधजला शव

तेंदूखेड़ा थाना प्रभारी रविंद्र बागरी ने बताया कि पांच अप्रैल को सेहरी गांव में हल्कीबाई पति स्व. हरिराम यादव (65) का शव मकान के मलबे में अधजली अवस्था में मिला था। शव के हाथ और मुंह बंधे हुए थे मृतका के बेटे संतोष ने ही पुलिस को आग लगने की सूचना दी थी। पुलिस जब मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास किया, तो पूरा घर जल गया और मलबा अंदर गिर गया, जिसके नीचे हल्कीबाई दबी हुई थीं। पुलिस ने अगले दिन सुबह मलबा हटाया, तब महिला का अधजला शव बरामद हुआ

बेटे पर ग्रामीणों ने जताया था शक

वहीं ग्रामीणों द्वारा भी संतोष पर हत्या का संदेह जताया जा रहा था। पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के निर्देशन में इस मामले की लगातार जांच की गई, जिसके बाद आरोपी को पकड़ा जा सका। पुलिस ने पोस्टमार्टम कार्रवाई के बाद शव का अंतिम संस्कार कराया।

नशे के लिए पैसे देने से मना करने पर किया मर्डर

पुलिस ने बेटे से लगातार पूछताछ की, जिसमें बेटे ने हत्या करना कबूल कर लिया। आरोपी ने कबूल किया कि वह नशे का आदि है उसने मां से गांजा-शराब पीने को रुपए मांगे, लेकिन मां ने मना कर दिया। रात के समय आरोपी ने अपनी मां के हाथ पैर रस्सी से बांधे। मुंह में कपड़ा ठूंसकर उसके ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर भूसा में दबाकर साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से घर में आग लगा दी। इससे महिला की आग से जलने से मौत हो गई आरोपी संतोष यादव के विरुद्ध हत्या का अपराध दर्ज कर उसे शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था और कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

खेलते हुए नदी में गिरने से किशोर की मौत

तेंदूखेड़ा! गुरुवार की देर शाम थाना क्षेत्र के अंतर्गत खमरिया कला गांव में एक 14 वर्षीय किशोर की नदी में डूबने से मौत हो गई। जहां शुक्रवार सुबह पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों के सुपुर्द कर आगे की जांच शुरू की गई घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार कृष्ण पिता सुनील यादव उम्र 13 वर्ष निवासी खमरिया कला थाना तेंदूखेड़ा है जो कि गुरुवार की शाम को परिवार और अन्य गांव के दोस्तों के साथ खेत पर गया था जहां पर खेलते समय कृष्ण यादव गुरैया नदी मे डूब गया जिसके बाद अन्य साथी ने घटना की सूचना खेत पर मौजूद परिजनों व गांव के अन्य लोगों को दी जहां गांव के लोगों ने नदी में कुदकर कृष्ण को बचाने का प्रयास किया लेकिन तब तक किशोर की मौत हो चुकी थी परिजन शव को स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां शुक्रवार की सुबह पुलिस की मौजूदगी में पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया गया और शव परिजनों के सुपुर्द कर आगे की कार्रवाई शुरू की गई परिजन ने बताया कि खेतों पर अभी मूंग की बोवनी हुई है और गर्मियों के दिनों में शाम के समय खेतों पर अच्छा लगता है इसी कारण कृष्ण खेतों पर खेलने व घूमने के लिए गया था लेकिन पता नहीं चला कब यह घटना हो गई।

वाहन मरम्मत और इंश्योरेंस क्लेम पर फर्जीवाड़ा, सर्वे प्रक्रिया भी शक के घेरे में

शहडोल। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के शहडोल संभाग के कई जिलों में इन दिनों बीमा कंपनियों के साथ बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी होने के आरोप सामने आ रहे हैं। विशेष रूप से शहडोल, कोतमा और जबलपुर में वाहन मरम्मत और इंश्योरेंस क्लेम के नाम पर सुनियोजित तरीके से फर्जीवाड़ा किए जाने की बात कही जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, कुछ ऑटोमोबाइल वर्कशॉप और एजेंसियां बीमा कंपनियों के साथ मिलीभगत कर क्षतिग्रस्त वाहनों के क्लेम को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रही हैं। कई मामलों में मामूली डैमेज को गंभीर दुर्घटना बताकर लाखों रुपए तक के क्लेम पास कराए जा रहे हैं।

इस पूरे मामले में इंश्योरेंस सर्वेयर और असेसर की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। आरोप है कि कुछ सर्वे रिपोर्ट वास्तविक नुकसान से मेल नहीं खातीं, जिससे क्लेम को मंजूरी मिल जाती है। इससे बीमा कंपनियों को लगातार आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि बीमा क्षेत्र को नियंत्रित करने वाली संस्था Insurance Regulatory and Development Authority of India द्वारा तय नियमों के बावजूद यदि इस तरह की अनियमितताएं हो रही हैं, तो यह निगरानी तंत्र की कमजोरी को दर्शाता है।

गड़बड़ियों के प्रमुख आरोप

- फर्जी या बढ़े हुए रिपेयर बिल बनाना
- सर्वे रिपोर्ट में वास्तविक नुकसान को छिपाना
- बिना वास्तविक दुर्घटना के क्लेम दाखिल करना
- वाहन मालिकों को गुमराह कर प्रक्रिया में शामिल करना

स्थानीय स्तर पर बढ़ रही शिकायतें

शहडोल और कोतमा क्षेत्र में कई लोगों द्वारा इस तरह की गतिविधियों की शिकायतें संबंधित विभागों को दी गई हैं। वहीं जबलपुर जैसे बड़े शहर में भी इसी तरह के मामलों के सामने आने से पूरे नेटवर्क के संगठित होने की आशंका जताई जा रही है।

जांच और कार्रवाई की मांग

स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। साथ ही दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और सर्वे प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है।

कोतमा में अंग्रेजी शराब का अवैध उत्पादन

अनूपपुर। जिले की कोतमा तहसील में गोवा ऑफिसर चॉइस में अवैध मैन्युफैक्चरिंग और बिक्री किए जाने का मामला सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक, नकली या मिलते-जुलते नाम से उत्पाद तैयार कर उन्हें बाजार में खपाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, इस पूरे कारोबार में कुछ ठेकेदारों की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है, जिनके संरक्षण में यह गतिविधि संचालित हो रही है। हैरानी की बात यह है कि इतने बड़े स्तर पर काम होने के बावजूद संबंधित विभाग अब तक कार्रवाई नहीं कर पाए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह के अवैध कारोबार से न केवल शासन को आर्थिक नुकसान हो रहा है, बल्कि आम जनता की सेहत के साथ भी खिलवाड़ किया जा रहा है।

सुखसागर अस्पताल में आयुष्मान योजना को लेकर बवाल, लगाए फर्जीवाड़े के आरोप

जबलपुर। जबलपुर के सुखसागर अस्पताल में आयुष्मान योजना के तहत बड़े फर्जीवाड़े के आरोप लगाते हुए बहुजन चेतना विकास मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने अस्पताल का घेराव कर प्रदर्शन किया। सूचना मिलते ही तिलवाराघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। मोर्चा के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि अस्पताल में आयुष्मान योजना के नाम पर 50 से 100 करोड़ रुपए तक का घोटाला हुआ है, जिसमें स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और अस्पताल प्रबंधन की मिलीभगत हो सकती है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि 1 अप्रैल और 6 अप्रैल को कलेक्टर को ज्ञापन देकर शिकायत की गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

12 लाख का आंगनबाड़ी भवन निर्माण कछुआ गति से, ग्रामीणों में नाराजगी

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत झलौन के वार्ड क्रमांक 12 में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 73 का भवन इन दिनों अपनी धीमी प्रगति और गुणवत्ता के कारण चर्चा का विषय बना हुआ है। लगभग एक वर्ष पूर्व करीब 12 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत इस भवन का निर्माण कार्य विगत 8 महीनों से अत्यंत धीमी गति से चल रहा है, जिससे स्थानीय नागरिकों में असंतोष व्याप्त है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत वर्ष 25 जुलाई को पंचायत दर्पण के रिकॉर्ड के अनुसार लगभग 2 लाख 82 हजार रुपये की राशि ग्राम पंचायत द्वारा आहरित की जा चुकी है, किंतु इसके बावजूद निर्माण कार्य अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पाया है। स्थिति यह है कि कभी एक-दो दिन कार्य होता है तो फिर कई-कई दिनों तक निर्माण पूरी तरह बंद रहता है, जिससे यह कार्य जनचर्चा का विषय बन गया है।

तराई नहीं की जा रही

सबसे गंभीर चिंता का विषय निर्माण की गुणवत्ता को लेकर है। फाउंडेशन से लेकर वर्तमान तक लगभग 3-4 फीट ऊंची दीवार की ईंट जुड़ाई की जा चुकी है, लेकिन उसमें नियमित रूप से पानी की तराई नहीं की जा रही है। निर्माण कार्य के दौरान तथा कार्य बंद रहने की अवधि में भी दीवारों और नींव की उचित देखभाल नहीं हो रही है, जिससे भवन की मजबूती पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है।

जमीन ठोस नहीं बन पाई

इसके अतिरिक्त, फाउंडेशन में भरी गई 4-5 फीट ऊंचाई तक की काली-पीली मिट्टी और मुरम में अब तक न तो पानी डाला गया है और न ही उसकी उचित तरीके से दबाई (पिटाई) की गई है, जिससे जमीन ठोस नहीं बन पाई है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस प्रकार की लापरवाही से निर्मित भवन भविष्य में कमजोर साबित हो सकता है और कुछ ही वर्षों में क्षतिग्रस्त होने की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराई जाए तथा कार्य को नियमानुसार और समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाए, ताकि बच्चों के लिए सुरक्षित और टिकाऊ आंगनबाड़ी भवन उपलब्ध हो सके।

लांजी क्षेत्र में परचून के वाहन में मिली 9 पेटी अवैध शराब

बालाघाट। बालाघाट के लांजी थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए परचून वाहन से अंग्रेजी शराब का परिवहन कर रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, मुखबिर से सूचना मिलने के बाद पुलिस ने बालाघाट की ओर से आ रहे वाहन (एमपी 50 जेडई 2199) को रोका। तलाशी के दौरान वाहन में छिपाकर रखी गई 9 पेटी शराब बरामद हुई।

चोरों के हौसले बुलंद, पुलिस परिसर से ही बाइक चुराई

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा शहर में चोरों के हौसले आसमान छू रहे हैं। अब इन्होंने सीधे कोतवाली थाना परिसर को ही निशाना बना लिया। चोर ने पुलिस की मौजूदगी में वाहन चेकिंग के दौरान थाना परिसर से ही एक बाइक चोरी कर ली, जिससे पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। घटना 7 अप्रैल की शाम की है। अधिवक्ता संतकुमार पाल अपनी बाइक कोतवाली थाना परिसर में खड़ी कर पीएम रिपोर्ट की कॉपी लेने अंदर गए थे।

देवरी लीलाधर में सहायिका भर्ती पर सवाल अभ्यर्थी ने एसडीएम, कलेक्टर से लगाई गुहार

फर्जी दस्तावेज और पक्षपात के आरोप, सहायिका भर्ती घिरी विवादों में

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

आंगनवाड़ी केंद्र देवरी लीलाधर-43 में सहायिका पद की भर्ती प्रक्रिया को लेकर गंभीर अनियमितताओं और कथित फर्जीवाड़े के आरोप सामने आए हैं। ग्राम देवरी लीलाधर निवासी रचना गौड़, पति श्री हनुमत सिंह गौड़ द्वारा इस संबंध में एसडीएम एवं जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।

ज्ञापन में रचना गौड़ ने बताया कि उन्होंने आंगनवाड़ी सहायिका पद हेतु आवेदन क्रमांक 350244590 के माध्यम से आवेदन किया था। जारी की गई अनंतिम सूची में उनका नाम प्रथम स्थान पर दर्ज है, जबकि द्वितीय स्थान पर ललिता गौड़ का नाम अंकित किया गया है। इसके अतिरिक्त, विशेष जाति (सहरिया, भारिया, बैगा) के लिए जारी सूची में केवल ललिता गौड़ का नाम शामिल किया गया है, जो कि कथित रूप से नियमों के विपरीत है।

आरोप है कि ललिता गौड़ अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित होने के बावजूद उन्हें विशेष जाति श्रेणी के अंतर्गत 5 अतिरिक्त अंक प्रदान किए गए। यह भी कहा गया है कि संबंधित परियोजना अधिकारी द्वारा विशेष जाति की अनंतिम सूची सार्वजनिक

रूप से प्रदर्शित नहीं की गई, जिससे अन्य अभ्यर्थी आपत्ति दर्ज न करा सकें। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि विशेष जाति सूची में शामिल अभ्यर्थी के जाति प्रमाण पत्र की उचित जांच नहीं की गई, जबकि सामान्य सूची के अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच की गई थी। इससे चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा होता है।

रचना गौड़ ने आगे आरोप लगाया कि परियोजना अधिकारी द्वारा कथित रूप से पैसों की मांग की गई और पैसे न देने पर भर्ती से वंचित करने की धमकी दी गई। उन्होंने यह भी कहा कि अन्य गांवों में भी इसी प्रकार की अनियमितताएं सामने आई हैं, जहां पात्र अभ्यर्थियों के अंक कम कर दिए गए, जबकि कुछ को अनुचित लाभ दिया गया।

सारा-अर्जुन ने परिवार संग किए बाबा महाकाल के दर्शन

उज्जैन। उज्जैन स्थित बाबा महाकाल के दरबार में फिल्म धुरंधर की अभिनेत्री सारा अर्जुन पहुंची। शनिवार तड़के श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर इन्होंने दर्शन लाभ लिया। बता दें उनके साथ पिता राज अर्जुन और मां सान्या भी मौजूद थीं। सारा ने नंदी हाल से भगवान महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। सारा अर्जुन पहली बार महाकाल मंदिर दर्शन के लिए पहुंचीं। सुबह करीब 4 बजे उन्होंने भस्म आरती में हिस्सा लिया और करीब दो घंटे तक आरती में शामिल रहीं।मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उनका स्वागत और सत्कार भी किया गया।

धामनोद में लव जिहाद का खुलासा नाम बदलकर युवती से किया दुष्कर्म

धार, दोपहर मेट्रो

जिले के धामनोद थाना क्षेत्र में लव जिहाद का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक मुस्लिम युवक ने खुद को हिंदू आदित्य ठाकुर बताकर एक दलित युवती को अपने प्रेम जाल में फंसाया और दो वर्षों तक उससे दुष्कर्म किया, जब युवती को आरोपी के दुसरे धर्म की बात पता चली तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी देकर धर्म परिवर्तन कर निकाह करने का दबाव बनाया।

पीड़ित युवती ने पुलिस को बताया कि करीब दो साल पहले महेश्वर बस स्टैंड स्थित एक मोबाइल दुकान पर उसकी मुलाकात आदित्य ठाकुर नाम के युवक से हुई थी। आरोपी ने अपनी पहचान छिपाकर युवती से दोस्ती की, बातचीत के दौरान युवती ने बताया था कि वह बलाई समाज से है।

शिकायत के अनुसार पिछले साल 10 दिसंबर 2025 को आरोपी युवक युवती को धामनोद के महेश्वर फाटे स्थित दीपक होटल एंड लॉज ले गया। वहां उसने युवती की मर्जी के खिलाफ उसके साथ दुष्कर्म किया। जब युवती ने विरोध किया, तो आरोपी ने यह कहकर उसे चुप करा दिया कि हम दोनों हिंदू हैं, जल्द ही शादी कर लेंगे। इसके बाद शादी का झांसा देकर वह लगातार युवती का यौन शोषण करता रहा।

दूसरी बार आरोपी युवती को डरा-धमकाकर होटल महाकाली होटल एवं लॉज ले गया और वहां भी उसके साथ दुष्कर्म किया। इसी दौरान युवती को आरोपी की पैंट की जेब से एक आधार कार्ड की फोटोकॉपी मिली, जिसे वह अब तक आदित्य ठाकुर समझ रही थी, उसका असली नाम अब्दुल हादी पठान पिता हुसैन पठान निकला जो खरगोन जिले के नांदराथाना मंडलेश्वर का निवासी है। सच्चाई सामने आने पर जब पीड़िता ने आरोपी से झूठ बोलने का कारण पूछा तो आरोपी ने धमकाते हुए कहा, मैं मुसलमान हूँ तो क्या हुआ, तू अपना धर्म बदलकर मुस्लिम बन जा, मैं तुझसे निकाह कर लूँगा।

पश्चिम मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु विद्युत लाइसेन्स धारी प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारों से निर्धारित प्रपत्र पर ई–निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा सूचना क्र. : डबल्यूसीआर/सीआरडबल्यूएस/बीपीएल/ईएल/टी/2025/14, दिनांक: 08.04.2026, कार्य का नाम: सडिपुका / भोपाल में वर्ष 2026–27 एवं 2027–28 दो वर्ष हेतु 3–फेज मेमू कोचों के ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मर का ऑयल परीक्षण एवं फिल्ट्रेशन तथा ब्लोअर मोटर की रीवाइंडिंग ब्लोअर फैन (रनर) सहित का कार्य कार्य की लागत : Rs. 983639.19/-, निविदा फार्म का मूल्य : 0.00, धरोहर राशि : Rs. 19,700/- , कार्य पूर्ण करने की अवधि : 24 माह, निविदा जमा करने की तिथि : 30.04.2026 15:00 बजे तक, निविदा खुलने की तिथि : 30.04.2026 15:00 बजे के उपरांत निविदा फार्म व निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं निविदा सूचना मुख्य कारखाना प्रबन्धक विद्युत शाखा के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

(हस्ता.)

कृते मुख्य कारखाना प्रबन्धक

सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना

प.म.रे,निशातपुरा, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

आंगनबाड़ी केंद्र के स्थानांतरण को लेकर विरोध जारी, लटकाया ताला

कटनी। कटनी जिले के ग्राम पंचायत कोठी के सिहरा टोला में आंगनबाड़ी केंद्र के स्थानांतरण को लेकर विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। केंद्र को वार्ड क्रमांक-1 में शिफ्ट किए जाने के विरोध में ग्रामीणों ने दूसरे दिन भी तालाबंदी जारी रखी। ग्रामीणों का आरोप है कि महिला बाल विकास विभाग और पंचायत की मिलीभगत से केंद्र को नियम विरुद्ध तरीके से वार्ड-1 में स्थानांतरित किया गया है। इस बदलाव के कारण सिहरा टोला के छोटे बच्चों को अब 2 किलोमीटर लंबा और असुरक्षित रास्ता तय करना पड़ रहा है। इस संबंध में एसडीएम, तहसीलदार और परियोजना अधिकारी ने घंटों तक ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ठोस समाधान न मिलने पर प्रशासनिक दल को निराश लौटना पड़ा।

कार्यालय नगर निगम भोपाल

जोन क्रमांक - 06 यांत्रिक शाखा

क्रमांक 153/यां.वि/जोन क्र. 06/2026 भोपाल दिनांक 10.04.26

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न कार्य हेतु म.प्र. लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण website https://www.mptenders.gov.in पर है।

क्र.	निविदा क्र.	कार्य का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा क्रय करने का अंतिम दिनांक	निविदा क्रय करने का अंतिम समय
1	2026_UAD_493311_2	REPAIRING OF TOILETS AND OTHER MAINTAINANCE WORK AT BMC ZONE 06 OFFICE WARD 51	2.56	24.04.2026	5.30 PM

नि. क्र. 59/026/027

सहायक यंत्री

जोन क्र.06, नगर निगम भोपाल

कार्यालय जेल अधीक्षक केंद्रीय जेल भोपाल (म.प्र.)

Office - 0755-2742263, Fax - 0755-2742250, Email-Jscjbpl@mp.gov.in)

पत्र क्रं. 231/निर्वाह/2026 भोपाल, दिनांक 06/04/2026

ई-निविदा (द्वितीय) आमंत्रण सूचना

वित्तीय वर्ष 2026-27

म.प्र. जेल पूर्ति नियम 1968 एवं मध्यप्रदेश भण्डार क्रय तथा सेवा उपार्जन नियम - 2015 (यथा संशोधित-2022) के अधीन केंद्रीय जेल भोपाल में परिरुद्ध बंदियों के लिये वित्तीय वर्ष 2026-27 में खाद्यान्न, सब्जी, दवाईयां, स्वच्छता, विद्युत सामग्री एवं अन्य सामग्रियों की आपूर्ति हेतु वार्षिक ई-निविदा विज्ञप्ति निम्नानुसार जारी है:-

ई-निविदा कार्यक्रम का विवरण

क्रं.	विवरण	दिनांक एवं समय	स्थान
1.	प्री-बिड मीटिंग	23.04.2026 दोपहर 12.00 बजे	संबंधित जेल अधीक्षक कार्यालय में, जिस जेल हेतु निविदा प्रस्तुत की जाना है।
2.	निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि	07.05.2026 शाम 06 बजे तक	वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर फार्म ऑनलाईन क्रय किये जा सकेंगे।
3.	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	07.05.2026 शाम 06 बजे तक	वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत की जावेगी।
4.	नमूने जमा करने की अंतिम तिथि	07.05.2026 शाम 06 बजे तक	संबंधित जेल अधीक्षक कार्यालय में, जिस जेल हेतु निविदा प्रस्तुत की गई है।
5.	नमूनों का गुणवत्ता परीक्षण	08.05.2026 दोपहर 12 बजे	संबंधित जेल अधीक्षक कार्यालय में, जिस जेल हेतु निविदा प्रस्तुत की गई है।
6.	तकनीकी निविदा खोलने की तिथि	09.05.2026 शाम 06 बजे	संबंधित जेल अधीक्षक कार्यालय में, जिस जेल हेतु निविदा प्रस्तुत की गई है।
7.	वित्तीय निविदा खोलने की तिथि	14.05.2026 दोपहर 12 बजे	संबंधित जेल अधीक्षक कार्यालय में, जिस जेल हेतु निविदा प्रस्तुत की गई है।

ई- निविदा की विस्तृत जानकारी वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। ई-निविदा में किया गया कोई भी संशोधन वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर अपलोड किया जावेगा, इसकी सूचना पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं की जाएगी। ई-निविदा संबंधी शेष समस्त कार्यवाही संबंधित जेलों द्वारा की जावेगी।

जी-11309/26

जेल अधीक्षक

केंद्रीय जेल भोपाल

नैनपुर से प्रशासन ने 70 एकड़ सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया

मंडला, दोपहर मेट्रो

मंडला जिले के नैनपुर में प्रशासन ने सरकारी जमीन पर कब्जा जमाए बैठे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। कलेक्टर के आदेश पर राजस्व, पुलिस और नगर पालिका की संयुक्त टीम ने वार्ड नंबर 7 के ग्राम इटका में करीब 70 एकड़ सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। प्रशासन के मुताबिक, इस कीमती जमीन पर करीब 17 लोगों ने लंबे समय से तार फेंसिंग कर रखी थी और वहां खेती कर रहे थे। कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके से फेंसिंग और अन्य सामान हटाकर नगर पालिका को सौंप दिया। मौके पर एसडीएम आशुतोष महादेव सिंह ठाकुर, तहसीलदार और थाना प्रभारी सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

फाइल सं. SCMD-10020/4/2025-SCMD

भारत सरकार

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

सतत तटीय प्रबंधन प्रभाग

राष्ट्रीय सतत तटीय प्रबंधन केंद्र, चेन्नई में निदेशक पद को प्रतिनियुक्ति (लघु अवधि अनुबंध सहित) के आधार पर भरने के संबंध में

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा राष्ट्रीय सतत तटीय प्रबंधन केंद्र, चेन्नई - जो कि एक पंजीकृत सोसायटी है - में निदेशक के पद पर प्रतिनियुक्ति (लघु अवधि अनुबंध सहित) के आधार पर आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। यह पद वेतनमान रु.1,44,200/- - रु. 2,18,200/- (लेवल-14) में है।

अधिकतम आयु सीमा आवेदन की अंतिम तिथि के अनुसार 58 वर्ष है।

2. पात्रता, कार्य दायित्वों तथा आवेदन प्रस्तुत करने के निर्धारित प्रारूप के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए मंत्रालय की वेबसाइट www.moef.gov.in या www.ncscm.res.in पर देखें।
3. आवेदन पत्र, रोजगार समाचार में रिक्ति परिपत्र के प्रकाशन की तिथि से 45 दिनों के भीतर, निम्नलिखित पते पर भेजा जाए:

उप सचिव

सस्टेनेबल कोस्टल मैनेजमेंट डिवीजन

202, वायु विंग

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग

नई दिल्ली- 110003

ईमेल: scmd-moefcc@gov.in

CBC - 13101/11/ 0027/2526

आईपीएल 2026 : आज दिल्ली कैपिटल्स से चेन्नई सुपर किंग्स का होगा सामना

सीएसके खाता खोलने को बेताब, सैमसन और गायकवाड़ पर होगा दबाव

चेन्नई, एजेंसी

सत्र की पहली जीत हासिल करने के लिए बेताब चेन्नई सुपर किंग्स की टीम आज जब आईपीएल के मैच में दिल्ली कैपिटल्स का सामना करेगी तो उसके अनुभवी सलामी बल्लेबाजों संजू सैमसन और रुतुराज गायकवाड़ पर अच्छा प्रदर्शन करने का काफी दबाव होगा। सीएसके को तीन अलग-अलग मैदानों पर हार का सामना करना पड़ा है और इस तरह से उसके लिए सत्र की शुरुआत निराशाजनक रही है। सीएसके को अगर अपना खाता खोलना है तो उसे बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

अभी तक खेले गए तीन मैच में डेवाल्ड ब्रेविस की अनुपस्थिति ने भी टीम के संतुलन को प्रभावित किया है। दक्षिण अफ्रीका के इस विस्फोटक बल्लेबाज के दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में चोट से उबरकर वापसी करने की उम्मीद है। हालांकि महेंद्र सिंह धोनी की वापसी को लेकर अभी कोई स्पष्टता नहीं है, जो पिंडली में खिंचाव के कारण इस सत्र में अभी तक एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। सीएसके के लिए हालात बेकाबू होने से पहले सैमसन और गायकवाड़ की सलामी जोड़ी को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। कार्तिक शर्मा को भी मध्य क्रम में बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है, जबकि प्रशांत वीर ने निचले क्रम में अच्छा खेल दिखाया है। एकमात्र बल्लेबाज जिसने निरंतरता दिखाई है, वह सरफराज खान हैं, जो खुद को साबित करना चाहते हैं।

मुश्किल में डाल सकती है दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स की टीम दिल्ली में खेले गए पिछले मैच में गुजरात टाइटन्स के हाथों एक रन से मिली हार से आहत होगी। अक्षर पटेल की अगुवाई वाली टीम आईपीएल जैसे बेहद प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में लय बरकरार रखने के महत्व को समझती है और अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से सीएसके की मुश्किलें और बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध होगी। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ स्कोर बराबर करने के लिए डेविड मिलर का एक रन लेने से इनकार करना पूरे सत्र में बहस का विषय बना रहेगा, लेकिन निश्चित रूप से ड्रेसिंग रूम में इस पर चर्चा नहीं होगी।

हैदराबाद के खिलाफ अपनी लय जारी रखने उतरेगा पंजाब

मुल्लांपुर। पिछले साल के अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखने वाली पंजाब किंग्स की टीम आईपीएल में अब तक संघर्ष कर रही सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले मैच में अपनी लय बरकरार रखने की कोशिश करेगी। पिछले साल की उपविजेता पंजाब किंग्स की टीम ने जिस तरह से अभी तक प्रदर्शन किया है उसे देखते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ बारिश के कारण रद्द कर दिए गए उसके पिछले मैच में अंक बांटने से वह खुश नहीं होगी। श्रेयस अय्यर की अगुवाई में पंजाब किंग्स में यह दिखा दिया है कि एक विजेता टीम पर दृष्टिकोण कैसा होना चाहिए। फिर चाहे वह चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 200 रन से अधिक के लक्ष्य का आसानी से पीछा करना हो या मुल्लांपुर की मुश्किल पिच पर पूर्व चैंपियन गुजरात टाइटन्स को हराना। केकेआर के खिलाफ ईडन गार्डन्स में भी पंजाब किंग्स ने अच्छी शुरुआत की थी। उसके ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट ने शुरू में ही दो विकेट ले लिए थे लेकिन भारी बारिश और आंधी के कारण उसे अंक बांटने के लिए मजबूर होना पड़ा था। सलामी बल्लेबाज और विकेटकीपर प्रभसिमरन सिंह ने कहा कि पंजाब किंग्स के खिलाड़ी ऑरेंज कैप (टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाला बल्लेबाज) या पर्पल कैप (टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज) हासिल करने की होड़ के बजाय सामूहिक सफलता पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उसकी यह मानसिकता कूपर कोनोली की गुजरात टाइटन्स के खिलाफ नाबाद 72 रनों की पारी और विजयकुमार वैशाक के गेंदबाज़ी में बढ़ते प्रभाव में स्पष्ट नजर आता है।

राजस्थान से हारा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू, हेजलवुड-भुवनेश्वर हुए बेबस

8 चौके, 7 छक्के और 300 का स्ट्राइक रेट, वैभव सूर्यवंशी ने किया धुआं-धुआं

गुवाहाटी, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग2026 में शुक्रवार (10 अप्रैल) को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने बल्ले से कमाल का प्रदर्शन किया। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में वैभव ने 8 चौके और सात छक्के की मदद से 26 बॉल पर 78 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और सात छक्के शामिल रहे। इस दौरान वैभव ने सिर्फ 15 गेंदों पर फिफ्टी जमा दी। वैभव को क्रुणाल पंड्या ने विराट कोहली के हाथों कैच आउट कराया। वैभव की तूफानी पारी के दम पर राजस्थान ने इस मुकाबले को 6 विकेट से अपने नाम किया।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने इस मुकाबले में भुवनेश्वर कुमार की गेंद पर चौके के साथ खाता खोला। उस पहले ओवर में वैभव ने कुल तीन चौके लगाए। इसके बाद वैभव ने अभिनंदन शर्मा की जमकर खबर ली और उनके ओवर में 2 चौके के अलावा एक छक्का लगाया। पारी के चौथे ओवर में वैभव ने अनुभव तेज गेंदबाज जोश हेजलुवड की आखिरी चार गेंदों पर 4,4,4,6 रन बनाए।

फिर अगले ओवर में भुवनेश्वर कुमार की लगातार दो गेंदों पर दो छक्के लगाकर वैभव सूर्यवंशी ने अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। वैभव इसके बाद भी तूफानी बैटिंग करते रहे। ऐसा लग रहा था कि वैभव इस मुकाबले में शतक भी लगा सकते हैं, लेकिन क्रुणाल पंड्या की गेंद पर टाइमिंग सही नहीं रही और विराट कोहली ने उनका कैच लपक लिया।

वैभव ने महज 15 गेंदों में जड़ दिए 50 रन

देखा जाए तो वैभव सूर्यवंशी ने मौजूदा सीजन में दूसरी बार 15 गेंदों पर फिफ्टी पूरी की है। इससे पहले उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ इसी मैदान पर ऐसा कारनामा किया था। वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में तीसरी बार 20 से कम गेंदों पर अर्धशतक जड़ने में कामयाब रहे हैं।

आईपीएल में सबसे तेज अर्धशतक

13 गेंदें- यशस्वी जयसवाल (राजस्थान रॉयल्स) बनाम केकेआर, कोलकाता, 2023
14 गेंदें- केएल राहुल (पंजाब किंग्स) बनाम दिल्ली कैपिटल्स, मोहाली, 2018
15 गेंदें- यूसुफ पठान (केकेआर) बनाम सनराइजर्स हैदराबाद, कोलकाता, 2014
15 गेंदें- वैभव सूर्यवंशी (राजस्थान रॉयल्स) बनाम चेन्नई सुपर किंग्स, गुवाहाटी, 2026
15 गेंदें- वैभव सूर्यवंशी (राजस्थान रॉयल्स) बनाम आरसीबी, गुवाहाटी, 2026

रवि बिश्नोई की फिरकी में घूमे विराट कोहली, एक गलती और खत्म हो गई पारी

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन उसे वो बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पाए। कोहली ने सिर्फ 16 गेंदों पर 32 रन बनाए, जिसमें 7 चौके शामिल रहे। विराट कोहली तेजी से रन बटोर रहे थे और बड़ी पारी की ओर बढ़ते दिख रहे थे, लेकिन पांचवें ओवर में लेग-स्पिनर ने उनकी पारी पर ब्रेक लगा दिया।बिश्नोई की एक सीधी और सटीक गेंद को कोहली समझ नहीं पाए। वह बड़ा शॉट खेलने के लिए आगे बढ़े, लेकिन गेंद उनके बल्ले और पैड के बीच से निकलकर सीधे स्टम्प्स से जा टकराई। यह क्लासिक यू मिस आई हिट% जैसा पल था, जहां गेंदबाज ने बल्लेबाज की गलती का पूरा फायदा उठाया। आउट होने के बाद विराट कोहली काफी निराश नजर आए। वह जिस अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे थे, उससे उम्मीद थी कि वह इस मुकाबले में बड़ी पारी खेलने में जरूर कामयाब होंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। देखा जाए तो इंडियन प्रीमियर लीग में रवि बिश्नोई ने दूसरी बार विराट कोहली को आउट किया है। इस स्पिनर के खिलाफ कोहली ने अब तक आईपीएल में 44 गेंदों पर 37 रन बनाए हैं। इस दौरान कोहली का स्ट्राइक रेट 84।1 रहा है। इन आंकड़ों से पता चलता है कि बिश्नोई के खिलाफ विराट कोहली तेजी से रन नहीं बना पाए हैं।

एशियाई बैडमिंटनचैंपियनशिप आयुष शेत्ती सेमीफाइनल में

निंगबो, एजेंसी

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेत्ती ने यहां इंडोनेशिया के दुनिया के नंबर चार खिलाड़ी जोनाथन क्रिस्टी को हराकर उलटफेर करते हुए अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल करने के साथ बैडमिंटन एशियाई चैंपियनशिप के पुरुष एकल सेमीफाइनल में जगह बनाई। विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज शेत्ती ने एक कड़े मुकाबले वाले क्वार्टरफाइनल में ऊंची रैंकिंग पर काबिज क्रिस्टी पर लगातार दबदबा बनाते हुए जोरदार स्मैश की बदौलत 23-21, 21-17 से जीत दर्ज की। मौजूदा अमेरिकी ओपन सुपर 300 चैंपियन शेत्ती का सामना अब थाईलैंड के शीर्ष वरीय कुनलावुत वितिदसर्ण से होगा जो पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता और 2023 विश्व चैंपियन हैं। भारतीय खिलाड़ी ने अपने प्रतिद्वंद्वी के हर शॉट का करारा जवाब दिया और अपने कोण और अनुशासित डिफेंस से उन्हें परेशान कर दिया। शेत्ती शुरु में 2-0 और 5-3 से आगे चल रहे थे, लेकिन क्रिस्टी ने फिर नियंत्रण बनाकर स्कोर 6-5 कर लिया। इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने अपनी गति और कोण में लगातार बदलाव किया जिससे छह फुट चार इंच लंबे भारतीय खिलाड़ी पर दबाव बन गया। क्रिस्टी इस तरह 9-6 से आगे हो गए और ब्रेक तक तीन अंक की बढ़त बनाए थे। मंगलुरु के शेत्ती ने शानदार वापसी करते हुए जल्द ही अंतर खत्म कर दिया। हालांकि कुछ अनफोर्स्ड गलतियों के कारण क्रिस्टी एक बार फिर 14-11 और 16-13 से आगे निकल गए। शेत्ती ने फिर अपने प्रतिद्वंद्वी को गलतियां करने पर मजबूर कर दिया। क्रिस्टी शॉट्स की लंबाई का सही अंदाजा नहीं लगा पाए और लाइन के पास शॉट खेलने की कोशिश में गेंद को कोर्ट से बाहर मार बैठे। हालांकि इसके बावजूद क्रिस्टी ने 18-16 की मामूली बढ़त बनी हुई थी। क्रिस्टी की नेट गलती और एक वाइड रिटर्न से शेत्ती ने वापसी करते हुए स्कोर 18-18 से बराबर कर लिया। शेत्ती के गेंद को कोर्ट से बाहर करने से इंडोनेशियाई खिलाड़ी को दो गेम प्वाइंट मिल गए।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

सलमान के बॉडीगार्ड्स ने मुझे सेट से निकाला, वायरल भाभी हेमा का दावा, सुनाई आपबीती

सलमान खान, बॉलीवुड में नाम ही काफी है। सलमान वो सुपरस्टार हैं, जो किसी के सर पर हाथ दें, तो वो रातोरात स्टार बन जाता है। हालांकि, कई लोग उन पर करियर बर्बाद करने का आरोप भी लगा चुके हैं। हेमा शर्मा उर्फ वायरल भाभी ने भी सलमान के साथ हुई कंट्रोवर्सी का सच बताया है। हेमा शर्मा ने कहा कि सलमान खान के साथ मेरी कंट्रोवर्सी हुई थी। इसके बाद कहा गया कि मेरा करियर खत्म। मैं दबंग 3 में थी। ओपनिंग मुझसे हुई थी। खास बात ये है कि फिल्म मेरे बर्थडे पर रिलीज हुई थी।

क्या है विवाद का सच?- घनश्याम उपाध्याय के पॉडकास्ट में हेमा शर्मा बताती हैं कि मेरी पहली फिल्म धर्मेंद जी के साथ थी। फिर अनुपम खेर के साथ वन डे में काम किया। इसके बाद दबंग 3 आई। उन्होंने कहा- मैं इंडस्ट्री में सलमान खान की वजह से आई। 2013 में मैंने फैसला किया कि मैं सलमान

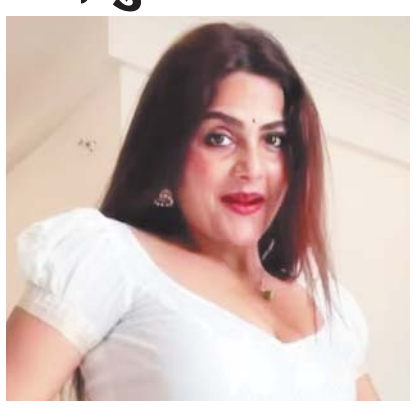

खान से खुद मिलूंगी। फिर मैंने क्राइम पैट्रोल किया, ताकि सलमान खान से मिल पाऊं। इसके बाद डेढ़ साल के लिए मुंबई छोड़ दिया, क्योंकि पहली शादी में लफड़े हो गए थे।

बयां किया दर्द

मुंबई से मेरा पैकअप हो गया। मैंने कसम खाई कि मुंबई नहीं आऊंगी। फिर 2015 में मुंबई ने मुझे बुलाया। आते ही अमेरिका लंदन में शो हुए। गोविंदा जी के साथ डांस किया। दबंग 3 में मेरा पहला सीन सलमान जी के साथ था, जिसे बाद में उन्होंने चेंज कर दिया। कहा कि इनका अकेले का सीन रखो। फिल्म रिलीज से पहले मैं इंटरव्यू दे चुकी कि सलमान खान के साथ कनेक्शन है। मैं उनके घर गई थी चाय पी थी। मैं अर्पिता जी के फार्महाउस गई थी। फिल्म रिलीज हुई, लेकिन मैं उनके साथ फोटो नहीं ले पाई। बिग बॉस में जर्नादन पंडित जी आते थे। मैंने उनसे कहा कि सलमान जी के साथ एक फोटो दिला दीजिए। वो बोले ये छोटी सी बात है चलो मेरे साथ। मैं पंडित जी के साथ बिग बॉस के सेट पर गई। सलमान खान की सेक्योरिटी ने मुझे देखते ही कहा कि इनको यहां कौन लेकर आया है। निकालो इसको। पंडित जी आपका भी आना बैन हो जाएगा। मेरा अपमान हुआ। मैंने उस दिन सोच लिया कि मेरे साथ जो हुआ वो हुआ, लेकिन पंडित जी के साथ ये नहीं होना चाहिए था।

मेट्रो बाजार

वित्त वर्ष 2026 में वंदे भारत एक्सप्रेस से चार करोड़ यात्रियों ने किया सफर

नई दिल्ली। वंदे भारत एक्सप्रेस नेटवर्क में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान यात्रियों की संख्या में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रेल मंत्रालय के अनुसार, लगभग 4 करोड़ यात्रियों ने इन सेमी-हाई स्पीड ट्रेनों में सफर किया, जो साल-दर-साल 34 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

फरवरी 2019 में नई दिल्ली-वाराणसी मार्ग पर शुरुआत के बाद, वंदे भारत एक्सप्रेस अब पूरे देश में फैल चुका नेटवर्क बन गया है और अब तक एक लाख से अधिक यात्राओं के जरिए 9.1 करोड़ से यादा ज्यात्रियों को सेवा दे चुका है।

रेल मंत्रालय ने बताया, भारतीय रेल ने वंदे भारत एक्सप्रेस नेटवर्क पर यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। केवल वित्त वर्ष 2025-26 में ही लगभग 3.98 करोड़ यात्रियों ने यात्रा की, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 2.97 करोड़ यात्रियों के मुकाबले करीब 34 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी है। मंत्रालय ने कहा कि ये ट्रेनें 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत देश में ही डिजाइन और निर्मित की गई हैं और भारत के रेलवे क्षेत्र में गति, दक्षता और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनकर उभरी हैं।

विभिन्न मार्गों में नई दिल्ली-वाराणसी रूट सबसे व्यस्त बना हुआ है, जहां अब तक 73 लाख से अधिक यात्रियों ने यात्रा की है। नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा रूट पर लगभग 56 लाख यात्रियों ने सफर किया है, जो धार्मिक पर्यटन के लिए इसकी अहमियत को दिखाता है। दक्षिण भारत में सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम रूट पर 48 लाख से यादा यात्री यात्रा कर चुके हैं, जबकि चेन्नई-मैसूर मार्ग पर 36 लाख से अधिक यात्रियों ने सफर किया है।

मेकअप में और खराब लगती हूं, नेहा शर्मा ने खुद पर किया मजेदार कमेंट

मुंबई। फिल्मी दुनिया में जहां सितारे अक्सर अपने परफेक्ट लुक और ग्लैमरस अंदाज के लिए जाने जाते हैं। वहीं कई बार वही सितारे अपने फैंस के सामने अपनी असलियत भी खुलकर रखते नजर आते हैं। इसी कड़ी में बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा शर्मा ने शुक्रवार को एक ऐसा बयान दिया, जिसने फैंस को भी हैरान कर दिया।

नेहा शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह मेकअप किए हुए नजर आ रही हैं। वीडियो में वह अपने बालों को फ्लिप करते हुए अपने लुक को दिखा रही हैं। आमतौर पर जहां सेलेब्रिटीज अपने मेकअप लुक की तारीफ करते हैं। वहीं नेहा ने इस बार बिल्कुल अलग अंदाज

वीडियो के साथ उन्होंने बेहद ईमानदारी से लिखा, मुझे अपने बाल और मेकअप ठीक से करना नहीं आता। मुझे इस स्किल को सीखने की जरूरत है, ताकि मैं खुद को बेहतर तरीके से प्रजेंट कर सकूं। इतना ही नहीं, नेहा ने अपने मेकअप लुक पर मजाकिया अंदाज में सवाल भी उठाया। उन्होंने लिखा, क्या मैं ही अकेली लड़की हूं जिसे लगता है कि मेकअप के साथ मैं और भी खराब दिखती हूं?

नेहा शर्मा की बात करें तो उन्हें कुकिंग, म्यूजिक सुनना, किताबें पढ़ना और डांस करना बेहद पसंद है।

नेहा ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक की ट्रेनिंग ली है और इसके अलावा, उन्होंने लंदन के पाइनएप्पल डांस स्टूडियो से स्ट्रीट हिप-हॉप, सालसा, मेरेंग्यू, जाइव और जैज जैसे कई वेस्टर्न डांस फॉर्म भी सीखे हैं।

फिल्मों की बात करें तो उन्होंने 2007 में तेलुगु फिल्म चिरुथा से करियर शुरू किया और बाद में क्रूक, क्या सुपर कूल हैं हम, यमला पगला दीवाना 2, तान्हाजी और जोगीरा सारा रा रा जैसी फिल्मों में नजर आईं। इसके अलावा, वह इल्लिगल जैसी वेब सीरीज और कई म्यूजिक वीडियोज में भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं।

भारत को हर 1-2 साल में वैश्विक अस्थिरता के लिए तैयार रहना चाहिए : अर्थशास्त्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के सदस्य और एक्सिस बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री नीलकंठ मिश्रा ने शुक्रवार को कहा कि भारत को हर एक से दो साल में वैश्विक अस्थिरता के लिए तैयार रहना चाहिए और भू-राजनीतिक तनाव में मौजूदा विराम का उपयोग लंबे समय से लंबित संरचनात्मक सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए करना चाहिए। मिश्रा ने कहा कि मौजूदा विराम विद्युतीकरण, आवास, शहरी अवसंरचना और पर्यटन में सुधारों को गति देकर विकास में लचीलापन लाने का अवसर है। विश्लेषक ने कहा कि अस्थिरता अब छिटपुट नहीं बल्कि संरचनात्मक है, लेकिन साथ ही कहा कि भारत इतिहास के पिछले दौरों की तुलना में अधिक मजबूत सुरक्षा उपायों के साथ अस्थिरता के दौर में प्रवेश कर रहा है। कोटक प्राइवेट की एक प्रेस रिलीज में मिश्रा ने कहा, इतिहास में किसी भी अन्य समय की तुलना में, हम इससे निपटने के लिए कहीं बेहतर तरीके से तैयार हैं। उन्होंने एक वरिष्ठ नीति निर्माता के साथ हुई बातचीत को याद करते हुए कहा, जिन्होंने आज के माहौल की तुलना 1989-93 की अशांत अवधि से की थी। हालांकि, मिश्रा ने कहा कि भारत के पास अब अधिक गहन पूंजी बाजार, अधिक मजबूत बाह्य संतुलन और अधिक नीतिगत विश्वसनीयता है। मिश्रा ने तर्क दिया कि ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम के आह्वान के बाद तत्काल तनाव बढ़ने की आशंकाएं भले ही कम हो गई हों, लेकिन व्यापक आर्थिक संकटों का चक्र अभी समाप्त होने की संभावना नहीं है। एक्सिस बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री ने विद्युतीकरण को एक रणनीतिक प्राथमिकता बताया और कहा कि भारत अपने समकक्षों की तुलना में तेल और गैस संकटों के प्रति कहीं अधिक संवेदनशील है क्योंकि यहां ऊर्जा खपत का बहुत कम हिस्सा विद्युत ऊर्जा का है।

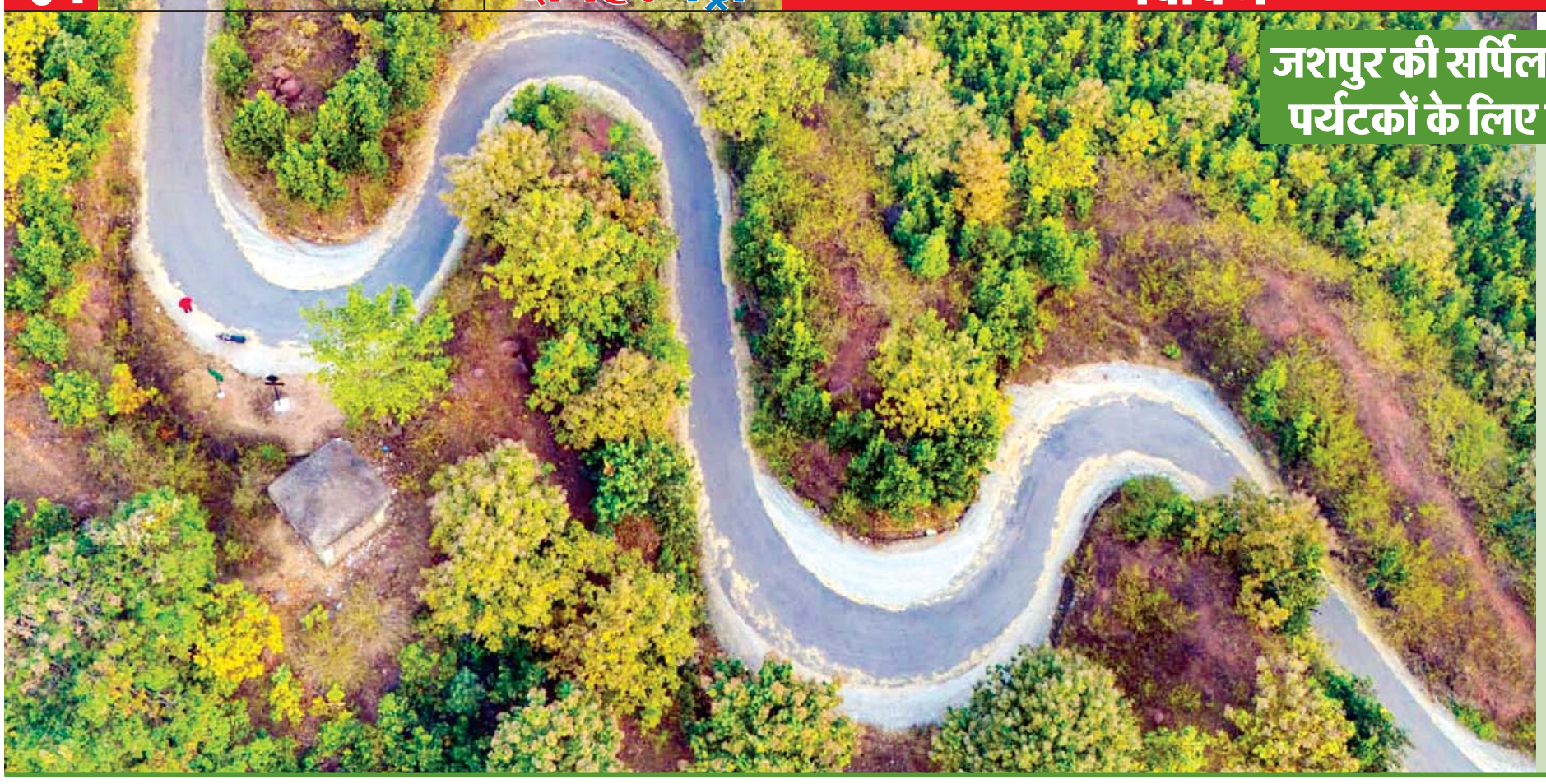

जशपुर की सर्पिल किनकेल घाटी पर्यटकों के लिए नया आकर्षण

जशपुर। शहर के नजदीक स्थित किनकेल घाटी अपनी लगभग साढ़े तीन किलोमीटर लंबी सर्पिल और घुमावदार सड़कों के कारण सैलानियों के बीच रोमांच का प्रमुख केंद्र बनती जा रही है। जिला मुख्यालय से महज दो किलोमीटर दूर स्थित यह घाटी अपनीप्राकृतिक सुंदरता और खतरनाक मोड़ों के लिए प्रसिद्ध है, जो पर्यटकों को एडवेंचर का अनूठा अनुभव कराती है। वहीं, शहर से करीब 12 किलोमीटर दूर स्थित देशदेखा समुद्र तल से लगभग 3200 फीट की ऊंचाई पर बसा है, जहां से सूर्यास्त का विहंगम दृश्य देखने बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। जशपुर जंबूरी के तहत इस वर्ष यहां लगभग 200 पर्यटकों का दल भी पहुंचा था। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निकटवर्ती केरे गांव में आदिवासियों के घरों में आठ होम स्टे हाउस बनाए गए हैं।

न्यूज विंडो

कारगिल के हीरो कर्नल वांगचुक का निधन, रक्षा मंत्री और सेना ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। कारगिल युद्ध के हीरो और महावीर चक्र से सम्मानित सेना के सेवानिवृत्त अधिकारी कर्नल सोनम वांगचुक का शुक्रवार को निधन हो गया। उनके निधन से पूरे देश में शोक की लहर है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारतीय सेना ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। बता दें कि कर्नल वांगचुक ने कारगिल युद्ध के दौरान बेहद विषम परिस्थितियों में अपनी टीम को संभाला था और दुश्मन पर जवाबी हमला करके उसके सैनिकों को मार गिराया था।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर शोक व्यक्त करते हुए कर्नल वांगचुक को एक साहसी और कर्तव्यनिष्ठ सैनिक बताया। उन्होंने कहा कि वे लद्दाख का गौरव थे और उन्होंने हमेशा देश की सेवा को प्राथमिकता दी। सिंह ने कहा कि ऑपरेशन विजय के दौरान दुर्गम ऊंचाई वाले इलाकों में उनका नेतृत्व और साहस सैनिकों के लिए प्रेरणा बना।भारतीय सेना ने भी कर्नल वांगचुक के निधन पर गहरा दुख जताया और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

बस और ट्रक की टक्कर, खाई में गिरे दोनों वाहन, एक दर्जन घायल

एटा। कोतवाली नगर क्षेत्र में रेलवे पुल के पास सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। रोडवेज के रंग में रंगी बस और ट्रक की जोरदार भिड़ंत में करीब एक दर्जन यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है।आसपास के लोगों ने बताया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस और ट्रक दोनों पुल से नीचे खाई में जा गिरे। ट्रक नीचे खड़ी एक कार पर गिर गया, जिससे कार ट्रक के नीचे दब गई। गनीमत रही कि उस समय कार में कोई नहीं था। इस दौरान पैदल गुजर रहे राहगीर बाल-बाल बच गए।बताया जा रहा है कि ट्रक चंबल लेकर अलीगढ़ की ओर जा रहा था, जबकि सवारियों से भरी कौशांबी लिखी बस दिल्ली आनंद विहार से फर्रुखाबाद जा रही थी। टक्कर के बाद दोनों वाहन अनियंत्रित होकर खाई में गिर पड़े।घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली नगर पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया।

गैंगरेप: सहेली के घर 2 लड़के बुलाकर 10 साल की बच्ची से दरिंदगी, 3 गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। मिठनपुरा थाना के एक मोहल्ले में 10 वर्ष की बच्ची से दरिंदों ने सामूहिक दुष्कर्म किया गया। बच्ची की हालत बिगड़ने के बाद उसे एसकेएमसीएच में भर्ती कराया गया है। वहीं, इस मामले को लेकर बच्ची के परिजनों ने हंगामा किया। सूचना पर पुलिस व एफएसएल की टीम मौके पर पहुंचकर छानबीन की।एफएसएल ने घटनास्थल को सुरक्षित करते हुए वहां से साक्ष्य संकलन किया है। प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस ने तीन महिलाओं को हिरासत में ले लिया है। मुख्य आरोपित फरार है।बताया गया कि मिठनपुरा थाना क्षेत्र की दो महिलाएं बच्ची को अपने साथ लेकर दूसरे मोहल्ले के तीसरी महिला के घर पर गई। वहां किराए पर रह रहे मैकेनिक के घर में बच्ची को रखा गया। इसके बाद उन दोनों महिलाओं ने कॉल कर दो युवकों को बुलाया। कॉल करने के बाद दो युवक बाइक से आए। दोनों ने बारी-बारी से बच्ची से दुष्कर्म किया। विरोध करने पर घर में रह रही महिला को दो हजार रुपये देने का युवकों और दोनों महिलाओं ने लालच दिया। इसके बाद बच्ची को दोनों महिलाओं ने उसके घर पहुंचा दिया। वहां बच्ची की हालत बिगड़ी तो स्वजन परेशान हो गए।

तमिलनाडु में ब्राह्मणों की आबादी करीब तीन फीसदी से है अधिक

एक भी ब्राह्मण को टिकट नहीं, पार्टियों के लिए क्यों 'अछूत' हो गया ये समुदाय

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। दक्षिण भारत के इस राज्य में 23 अप्रैल को होने वाले चुनाव की एक खास बात यह है कि इस बार मुख्य धारा की किसी भी पार्टी ने कोई ब्राह्मण उम्मीदवार नहीं उतारा है।

अभिनेता से नेता बने विजय की (तमिलागा वेट्री कड़गम) टीवीके और तमिल स्वाभिमान की राजनीति करने वाली एनटीके पार्टी अपवाद हैं। टीवीके ने दो और एनटीके ने छह ब्राह्मणों को टिकट दिया है। इनके अलावा हर पार्टी ने ब्राह्मण उम्मीदवार उतारने से परहेज किया है। यहां तक कि उत्तर भारत में ब्राह्मण-बनिया की राजनीति करने वाली बीजेपी ने भी कोई ब्राह्मण उम्मीदवार चुनाव मैदान में नहीं उतारा है। बीजेपी की सहयोगी एआईएडीएमके ने भी ब्राह्मण उम्मीदवार उतारने से परहेज किया है।

तमिलनाडु में ब्राह्मण राजनीति

तमिलनाडु में ब्राह्मण आबादी करीब तीन फीसदी मानी जाती है। लेकिन ऐसा पहली बार नहीं है कि राज्य की राजनीति में ब्राह्मण हाशिए पर ढकेले गए हैं। इससे पहले 1950 के दशक में जब कांग्रेस का नेतृत्व ब्राह्मणों से गैर-ब्राह्मणों के हाथों में चला गया तो 1954 में के कामराज के नेतृत्व में मद्रास पहला ऐसा राज्य था, जिसके मंत्रिमंडल में कोई ब्राह्मण नहीं था। इसके बाद 1967 में हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद सीएन अन्नादुरई के नेतृत्व में डीएमके की सरकार बनी।इस चुनाव ने तमिलनाडु के राजनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया। इस चुनाव में ब्राह्मण विधायकों की संख्या में भारी गिरावट आई और वो दो अंकों से घटकर एक अंक में आ गए। इसके बाद हुए चुनावों में भी ब्राह्मणों का प्रतिनिधित्व लगातार घटता रहा। साल 1980 के दशक विधानसभा में ब्राह्मण विधायकों की संख्या एक अंक में ही रही।राज्य में द्रविड़ राजनीति करने वाले दलों के मजबूत होते ही उम्मीदवारों के चयन में गैर-ब्राह्मण जातियों को वरीयता मिलने लगी।इससे तमिलनाडु की राजनीति में ब्राह्मण दुर्लभ होते चले गए।आज हालत यह हो गई है कि तमिलनाडु में सत्ता और विपक्ष दोनों ही गैर ब्राह्मण की राजनीति कर रहे हैं।

बीजेपी ने किया है छोटे दलों से समझौता

इस बार के विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने एआईएडीएमके समेत कुछ छोटे दलों से समझौता किया है। इस समझौते के मुताबिक बीजेपी 27, पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) 18, अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम (एएमएमके) 11, तमिल मनीला कांग्रेस (टीएमसी) पांच, इंधिया जननायक काची (आईजेके) दो, तमिलगा मक्कल मुनेत्र कड़गम (टीएमएमके) एक और पुरैची भारतम एक सीट पर चुनाव लड़ रही है। बाकी की 169 सीटों पर एआईएडीएमके अपने उम्मीदवार उतारे हैं। राज्य की 27 सीटों पर चुनाव लड़ रही बीजेपी ने भी कोई ब्राह्मण उम्मीदवार उतारने से परहेज किया है। **एआईएडीएमके में ब्राह्मण:** वहीं एमजी रामचंद्रन और जयललिता के दौर में ब्राह्मणों को जगह देने वाली बीजेपी की सहयोगी एआईएडीएमके ने भी कोई ब्राह्मण उम्मीदवार उतारने से परहेज किया है। पिछले 35 सालों में ऐसा पहली बार है जब एआईएडीएमके ने कोई ब्राह्मण उम्मीदवार नहीं उतारा है। इससे पहले 2021 के चुनाव में एआईएडीएमके ने राज्य के पूर्व पुलिस प्रमुख आर नटराज को टिकट दिया था।

एसआईआर के बाद यूपी-गुजरात में सबसे ज्यादा नाम कटे

नई दिल्ली। विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया पूरी होने के बाद नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों की संयुक्त मतदाता सूची में लगभग 6.08 करोड़ की कमी आई है।

अब उत्तर प्रदेश द्वारा अपनी अंतिम मतदाता सूची जारी किए जाने के बाद मतदाता सूचियों के एसआईआर का दूसरा चरण पूरा हो गया है। उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, गुजरात, मध्य प्रदेश और गोवा की अंतिम मतदाता सूचियां प्रकाशित कर दी गई हैं।

प्रतिशत के आधार पर देखा जाए तो गुजरात के बाद उत्तर प्रदेश दूसरा ऐसा राज्य है, जहां सबसे अधिक मतदाता कम हुए हैं। गुजरात में 13.40 प्रतिशत मतदाता कम हुए थे, जबकि उप्र में 13.24 प्रतिशत मतदाता घटे हैं। छत्तीसगढ़ में 11.77 , बंगाल में 11.61 , तमिलनाडु में 11.55 , गोवा में 10.76, पुडुचेरी में 7.57, मप्र में 5.97, बिहार में 5.95, राजस्थान में 5.74 व केरल में 3.22 प्रतिशत वोट कम हुए हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों और चुनाव आयोग द्वारा पिछले कुछ महीनों में साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल 27 अक्टूबर को जब एसआईआर की घोषणा की गई थी, तब इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की संयुक्त मतदाता सूची लगभग 51 करोड़ थी।

राजस्थान-छत्तीसगढ़ में तापमान 40 डिग्री के पार पहुंचेगा, मप्र में भी तापमान में बढ़ोत्तरी

भोपाल/रायपुर, एजेंसी

देशभर में गर्मी बढ़ने लगी है। राजस्थान के बाड़मेर में दिन का तापमान 37.5 डिग्री तक पहुंचा। मौसम विभाग के मुताबिक राज्य में अगले दो दिन में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है।

मध्य प्रदेश में आंधी-बारिश थमते ही गर्मी बढ़ने लगी है। ज्यादातर शहरों में दिन के पारे में 1 डिग्री से 5.4 डिग्री तक बढ़ोतरी हुई। रतलाम में सबसे ज्यादा 5.4डिग्री की बढ़ोतरी हुई। हालांकि, हीटवेव का अलर्ट नहीं है।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग संभाग में दिन का तापमान 42डिग्री से ज्यादा जा सकता है। यहां हीटवेव की स्थिति बन सकती है। दिन के साथ ही रात का तापमान भी तेजी से बढ़ेगा।

इधर, आंध्र प्रदेश में 5 दिन समुद्री तूफान का अलर्ट है। उत्तर से दक्षिण की ओर बनी ट्रफ लाइन

बनी रही, जो ओडिशा से गल्फ ऑफ मन्नार तक फैली हुई है। इसका असर तमिलनाडु, पुडुचेरी, तेलंगाना में भी रहेगा।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिले में आज बारिश का अलर्ट है। 3800 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी की भी संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले एक सप्ताह तक कोई भी 'स्ट्रॉन्ग सिस्टम' सक्रिय नहीं है।

विदेशी निर्भरता खत्म करेगी भारतीय नौसेना

अब देश में ही बनेंगे फाइटर जेट्स के पुर्जे

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने आत्मनिर्भरता और 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। नौसेना ने अपने रूसी मूल के मिग-29के लड़ाकू विमानों की महत्वपूर्ण उप-प्रणालियों और परीक्षण प्रणालियों के स्वदेशी विकास के लिए भारतीय निजी कंपनियों को आमंत्रित किया है।भारतीय नौसेना के इस पहल का उद्देश्य विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम करना और महत्वपूर्ण विमान घटकों पर भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है। ताकि समुद्री सीमाओं की सुरक्षा में तैनात यह लड़ाकू विमान हर समय युद्ध के लिए तैयार रहे।

मिग-29 अत्याधुनिक लड़ाकू विमान

दरअसल, मिग-29के अत्याधुनिक, हर मौसम में कारगर रहने वाला सुपरसोनिक बहु-भूमिका लड़ाकू विमान है, यह भारतीय नौसेना का प्रमुख विमानवाहक पोत आधारित हमलावर विमान है। यह INS विक्रमादित्य और INS विक्रांत से संचालित होता है और हवाई वर्चस्व, समुद्री हमले और समुद्री नियंत्रण पर विशेष ध्यान देता है।

मेट्रो एंकर

महाभियोग का खौफ! इस्तीफा देने वाले जज को मिलते हैं सभी रिटायरमेंट बेनिफिट्स

जस्टिस वर्मा से पहले भी दो जज दे चुके हैं अपना इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन पर 'महाभियोग' चलने वाला था। यानी संसद द्वारा जज को पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू होने वाली थी। 9 अप्रैल जस्टिस यशवंत वर्मा ने अपना इस्तीफा सीधे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपा। इस इस्तीफे के साथ ही उन पर संसद में चल रही महाभियोग की कार्यवाही भी बीच में ही रुक गई है। भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में यह केवल तीसरी बार है जब किसी सिटिंग जज ने महाभियोग की प्रक्रिया पूरी होने से ठीक पहले इस्तीफा दिया है।

भारतीय संविधान में किसी भी जज को हटाना एक बेहद जटिल प्रक्रिया है। इसके लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत से प्रस्ताव का पास होना जरूरी है। आज तक भारत में किसी भी जज को सफलतापूर्वक महाभियोग के जरिए नहीं हटाया जा सका है। जस्टिस वर्मा से पहले केवल दो जजों के मामले में यह प्रक्रिया इतने आगे तक बढ़ी थी।

जस्टिस सौमित्र सेन (कलकत्ता हाई कोर्ट): 2011 में उन पर फंड की

हेराफेरी के आरोप लगे थे। जांच में दोषी पाए जाने के बाद राज्यसभा ने उन्हें हटाने का प्रस्ताव भारी बहुमत से पास कर दिया था। लेकिन लोकसभा में वोटिंग से पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

जस्टिस पी.डी. दिनाकरन (सिक्किम हाई कोर्ट): 2011 में उन पर भी कदाचार के आरोप लगे थे। संसद द्वारा उनके खिलाफ जांच समिति बनाई गई थी। हालांकि, समिति की कार्रवाई ठीक से शुरू होने से पहले ही उन्होंने जांच प्रक्रिया पर अविश्वास जताते हुए इस्तीफा दे दिया था।

कोई नियम नहीं

इस्तीफा देने से महाभियोग की प्रक्रिया वहीं रद्द हो जाती है। चूंकि कानून में ऐसा कोई नियम नहीं है कि महाभियोग से पहले इस्तीफा देने वाले जज के रिटायरमेंट बेनिफिट्स (पेंशन आदि) रोक दिए जाएं, इसलिए उन्हें यह सुविधाएं मिलती रहती हैं। यानी इस्तीफा देने के बाद उन्हें सारे लाभ मिलते हैं जो एक रिटायर जज को मिलने चाहिए।

अब आगे क्या होगा?

कानूनी और संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक, जब कोई जज महाभियोग की प्रक्रिया पूरी होने से पहले इस्तीफा दे देता है, तो उसे हटाने की संसदीय प्रक्रिया स्वत: ही निरस्त मान ली जाती है। इसका सबसे बड़ा परिणाम यह होता है कि जज को रिटायरमेंट के बाद मिलने वाले सभी लाभ (जैसे पेंशन आदि) मिलते रहते हैं, क्योंकि वर्तमान कानून में इस्तीफे के बाद इन सुविधाओं को रोकने का कोई सीधा प्रावधान नहीं है। जस्टिस वर्मा के मामले में भी यह जांच अब यहीं समाप्त हो जाएगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564